सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 03, अंक 179, नई दिल्ली, शनिवार 06 सितम्बर 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

“महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।”

03 अधिवक्ताओं के साथ सरकार की वादा खिलाफी दुर्भाग्यपूर्ण: धीर सिंह कसाना
06 पंजाब बाढ़ त्रासदी
08 राउरकेला इस्पात संयंत्र में चल रहा परिवहन माफिया गिरी बंद हो - (आर जी टी ए अध्यक्ष)

दिल्ली के इतिहास में पहली बार: दुर्गा पूजा, गरबा ओर अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के लिए डीडीए की डिपॉजिट रामलीला के बराबर की गई

संजय बाटला

सिर्फ पांच दिनों में पूरी नीति में हुआ बदलाव।

रक्षा द सेवियर के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा नवरात्रि के त्योहारों के लिए ग्राउंड बुकिंग की नीति में एक ऐतिहासिक बदलाव किया। अब दुर्गा पूजा, गरबा और दशहरा के कार्यक्रमों के लिए रामलीला कार्यक्रमों की तरह ही ₹15 प्रति वर्ग मीटर की दर से डिपॉज़िट लिया जाएगा। यह निर्णय पूरे दिल्ली में दुर्गा पूजा के आयोजकों के लिए एक बड़ी जीत साबित हुआ है।

पिछले साल सफलतापूर्वक आयोजन करने के बाद जब रक्षा द सेवियर ने 2025 के महोत्सव के लिए बुकिंग प्रक्रिया शुरू की तो संस्था को पता चला कि रामलीला के लिए डिपॉज़िट की राशि ₹15 प्रति वर्ग मीटर (लगभग ₹4.5 लाख) थी जबकि दुर्गा पूजा और गरबा के लिए यह राशि ₹83 प्रति वर्ग मीटर (लगभग ₹21 लाख) थी। इतनी बड़ी राशि भरना एक गैर-लाभकारी संस्था के लिए लगभग असंभव था।

इस भेदभाव के प्रति अपनी बात रखने का निर्णय लेते हुए रक्षा द सेवियर की अध्यक्षा श्री इंदु राजपूत ने डीडीए के उच्च अधिकारियों प्रिंसिपल कमिश्नर डीडीए, वाइस चेयरमैन डीडीए, श्री प्रकाश बजाज, दिल्ली धार्मिक महासंघ के श्री गुलशन वीरमानी और भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा के साथ ही दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना के समक्ष यह मुद्दा उठाया।

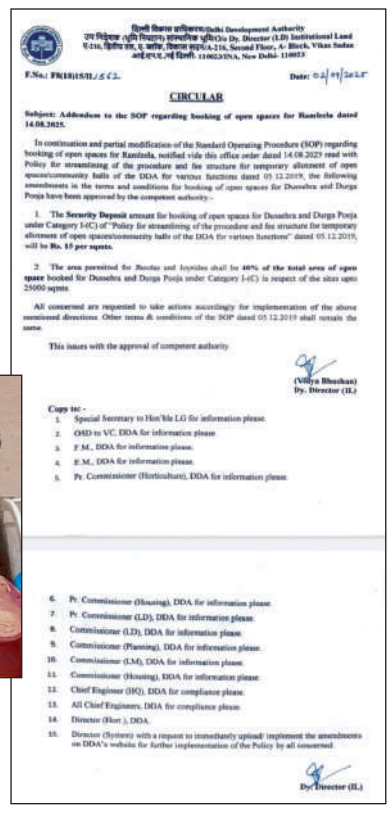

इंदुजी ने स्पष्ट रूप से यह बताया कि जब रामलीला, दुर्गा पूजा और गरबा यह सभी सनातन धर्म के पवित्र त्योहार हैं तो उनमें ग्राउंड बुकिंग

दिल्ली विकास प्राधिकरण/Delhi Development Authority
उप निदेशक (भूमि नियमन) संस्थानिक भूमि/O/o Dy. Director (LD) Institutional Land
F.No.: FR(18)15/IL/562 Date: 02/09/2025

CIRCULAR

Subject: Addendum to the SOP regarding booking of open spaces for Ramleela dated 14.08.2025.

In continuation and partial modification of the Standard Operating Procedure (SOP) regarding booking of open spaces for Ramleela, notified vide this office order dated 14.08.2025 read with Policy for streamlining of the procedure and fee structure for temporary allotment of open spaces/community halls of the DDA for various functions dated 05.12.2019, the following amendments in the terms and conditions for booking of open spaces for Dussehra and Durga Pooja have been approved by the competent authority:-

1. The Security Deposit amount for booking of open spaces for Dussehra and Durga Pooja under Category I-(C) of "Policy for streamlining of the procedure and fee structure for temporary allotment of open spaces/community halls of the DDA for various functions" dated 05.12.2019, will be Rs. 15 per sqmts.

2. The area permitted for Jhoolas and Joyrides shall be 40% of the total area of open space booked for Dussehra and Durga Pooja under Category I-(C) in respect of the sites upto 25000 sqmts.

All concerned are requested to take actions accordingly for implementation of the above mentioned directions. Other terms & conditions of the SOP dated 05.12.2019 shall remain the same.

This issues with the approval of competent authority.

(Vidya Bhushan)
Dy. Director (IL)

Copy to:-
1. Special Secretary to Hon'ble LG for information please.
2. OSD to VC, DDA for information please.
3. F.M., DDA for information please.
4. E.M., DDA for information please.
5. Pr. Commissioner (Horticulture), DDA for information please.
6. Pr. Commissioner (Housing), DDA for information please.
7. Pr. Commissioner (LD), DDA for information please.
8. Commissioner (LD), DDA for information please.
9. Commissioner (Planning), DDA for information please.
10. Commissioner (LM), DDA for information please.
11. Commissioner (Housing), DDA for information please.
12. Chief Engineer (HQ), DDA for compliance please.
13. All Chief Engineers, DDA for compliance please.
14. Director (Hort.), DDA.
15. Director (System) with a request to immediately upload/ implement the amendments on DDA's website for further implementation of the Policy by all concerned.

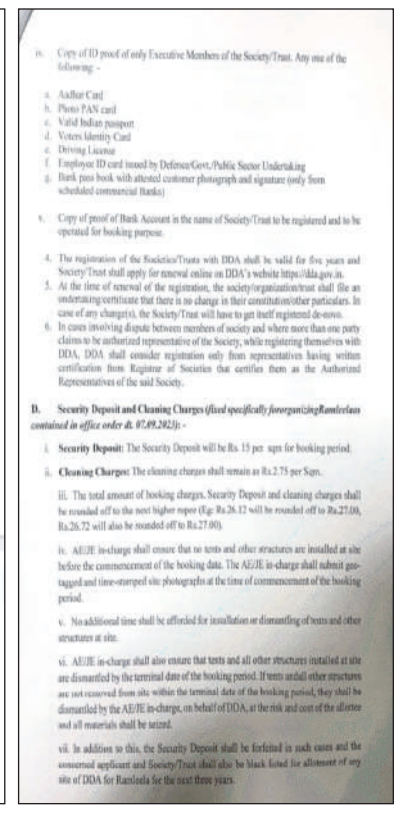

Dy. Director (IL)

iv. Copy of ID proof of only Executive Members of the Society/Trust. Any one of the following:-
a. Aadhar Card
b. Photo PAN card
c. Valid Indian passport
d. Voters Identity Card
e. Driving License
f. Employee ID card issued by Defence/Govt./Public Sector Undertaking
g. Bank pass book with attested customer photograph and signature (only from scheduled commercial Banks)

v. Copy of proof of Bank Account in the name of Society/Trust to be registered and to be operated for booking purpose.

4. The registration of the Societies/Trusts with DDA shall be valid for five years and Society/Trust shall apply for renewal online on DDA's website https://dda.gov.in.
5. At the time of renewal of the registration, the society/organization/trust shall file an undertaking/certificate that there is no change in their constitution/other particulars. In case of any change(s), the Society/Trust will have to get itself registered de-novo.
6. In cases involving dispute between members of society and where more than one party claims to be authorized representative of the Society, while registering themselves with DDA, DDA shall consider registration only from representatives having written certification from Registrar of Societies that certifies them as the Authorized Representatives of the said Society.

D. Security Deposit and Cleaning Charges (fixed specifically for organizing Ramleelas contained in office order dt. 07.09.2023):-

i. Security Deposit: The Security Deposit will be Rs. 15 per sqm for booking period.
ii. Cleaning Charges: The cleaning charges shall remain as Rs.2.75 per Sqm.
iii. The total amount of booking charges, Security Deposit and cleaning charges shall be rounded off to the next higher rupee (Eg: Rs.26.12 will be rounded off to Rs.27.00, Rs.26.72 will also be rounded off to Rs.27.00).
iv. AE/JE in-charge shall ensure that no tents and other structures are installed at site before the commencement of the booking date. The AE/JE in-charge shall submit geo-tagged and time-stamped site photographs at the time of commencement of the booking period.
v. No additional time shall be afforded for installation or dismantling of tents and other structures at site.
vi. AE/JE in-charge shall also ensure that tents and all other structures installed at site are dismantled by the terminal date of the booking period. If tents and all other structures are not removed from site within the terminal date of the booking period, they shall be dismantled by the AE/JE in-charge, on behalf of DDA, at the risk and cost of the allottee and all materials shall be seized.
vii. In addition to this, the Security Deposit shall be forfeited in such cases and the concerned applicant and Society/Trust shall also be black listed for allotment of any site of DDA for Ramleela for the next three years.

डिपॉज़िट के मामले में भेदभाव क्यों?

नीति में सिर्फ पांच दिनों में हुआ बदलाव माननीय उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने इस मामले को गंभीरता से लिया और सिर्फ पांच दिनों में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करके नई एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) लागू करने का आदेश दिया। इस निर्णय से अब दुर्गा पूजा के आयोजक भी रामलीला की तरह ही कम डिपॉज़िट राशि भर ग्राउंड बुकिंग कर सकेंगे।

इस अवसर पर रक्षा द सेवियर की अध्यक्षा श्री इंदु राजपूत ने कहा, ₹यह सिर्फ हमारी जीत नहीं है, बल्कि दिल्ली के सभी धर्म प्रेमी नागरिकों की जीत है। हम इस निर्णय के लिए माननीय उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। उनके समर्थन से धर्म की जीत हुई है। ₹इसके साथ ही उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा, ₹हमें हमारे प्रयासों में साथ देने के लिए डीडीए के वाइस चेयरमैन, प्रिंसिपल कमिश्नर डीडीए, भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली धार्मिक महासंघ के श्री गुलशन वीरमानी, और डीडीए के श्री प्रकाश बजाज और अन्य सभी अधिकारियों का हम आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हमारी बात को गंभीरता से लिया और इस मुद्दे का हल निकालने में हमारी मदद की।”

इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि रक्षा द सेवियर संस्था सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रम ही नहीं बल्कि सामाजिक और धार्मिक समानता के लिए भी प्रतिबद्ध है।

इसके साथ ही श्री इंदु राजपूत ने कहा कि अन्य जो भी कमियाँ हैं उन्हें भी समय आने पर दूर करना चाहिए जैसे एक समिति या संस्था द्वारा एक कार्यक्रम के लिए अलग-अलग ग्राउंड पर बुकिंग के लिए आवेदन करना वास्तव में उचित नहीं है क्योंकि सरकार छूट देती है, इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी संस्था जितने चाहे उतने ग्राउंड पर आवेदन करे और अपना दावा जताए।

दूसरा, जो समितियाँ या संस्थाएँ वर्ष भर ऐसे धार्मिक कार्य करती हैं वह बाकी साल क्या करती हैं यह भी सरकार को छूट देने से पहले देखना चाहिए। यदि संबंधित संस्थाएँ वर्ष के दौरान अन्य सामाजिक या सेवा से जुड़ी गतिविधियाँ नहीं करती हैं तो सरकार को उन्हें ग्राउंड देने में शुल्क में छूट नहीं देनी चाहिए।

डीडीए को इसकी जवाबदेही तय करनी चाहिए क्योंकि इससे उन संस्थाओं के साथ अन्याय होता है जो वास्तव में साल भर सामाजिक कार्य करती हैं।

साथ ही इंदु राजपुत ने कहा डीडीए में ग्राउंड बुकिंग के लिए जो डिपॉज़िट जमा की जाती है वह कार्यक्रम खत्म होने के 15 दिनों के भीतर संबंधित संस्था को वापस मिल जानी चाहिए क्योंकि वह संस्था ही जानती है कि वह डिपॉज़िट के पैसे कैसे जुटाती है।

कार्यक्रम में अगर किसी भी नियम का उल्लंघन किया गया हो तो उस संस्था पर कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए और लगे तो अदालत में ले जाना चाहिए लेकिन उसकी डिपॉज़िट राशि नहीं रोकनी चाहिए।

इंदु राजपुत ने अंत में कहा हम सभी योग्य व्यक्तियों, महामहिम उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना, भारतीय जनता पार्टी के वीरेंद्र सचदेवा एवम् अन्य सभी अधिकारियों का हमारी बात पर ध्यान देने और रामलीला की डिपॉज़िट और अन्य धार्मिक महोत्सवों की डिपॉज़िट को एक समान करने के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

धन्यवाद
इंदु राजपूत, अध्यक्षा, रक्षा द सेवियर

न्यूज़ स्क्रिप्ट

परिवहन विशेष न्यूज

देश के पंजाब, हिमाचल सहित कई राज्यों में आई भयंकर बाढ़ ने जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। लाखों लोग बेघर हो गए हैं और अनगिनत परिवार भोजन, दवाई और आश्रय के लिए तरस रहे हैं।*

इसी कठिन घड़ी में देशभर से सामाजिक संगठन, समाजसेवी और देशभक्त लोग पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय सेना की *2 गाड्र्स (1 ग्रेनेडियर्स) रेजीमेंट* से सेवानिवृत्त हुए बहादुर जेसीओ और जवानों ने भी देश सेवा का जज़्बा कायम रखते हुए राहत कार्यों के लिए अपने कदम बढ़ाए हैं।

इन पूर्व सैनिकों ने अपनी पेंशन से और आपसी भाईचारे से पैसा इकट्ठा करके जितना संभव हो सके, उतनी मदद पहुंचाने की मुहिम छेड़ी है। इस अभियान का संचालन *गुरेज़ वेल्फेयर एसोसिएशन* के प्रेसिडेंट *लेफ्टिनेंट कर्नल पी.के. मोर (Retd.)* की देखरेख में किया जा रहा है।

विशेष बात यह है कि आपसी सहयोग, प्रेम और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए इन वीरों ने *सिर्फ दो दिनों में लगभग 1.50 लाख रुपए की सहायता राशि* इकट्ठी कर ली है और यह क्रम उत्साह के साथ आगे बढ़ रहा है।

इस मुहिम में हर जेसीओ और जवान उत्साहपूर्वक अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार बहुमूल्य योगदान कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि पेंशन आने के बावजूद इन वीरों के दिलों में वही *देशभक्ति का जज़्बा, वही जोश और वही जुनून आज भी जीवित है।*

भारतीय सेना हर मोर्चे पर देश सेवा में हमेशा आगे रही है और अब उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 2 गाड्र्स (1 ग्रेनेडियर्स) के पूर्व सैनिकों ने भी मिलकर *गुरेज़ Ex-Servicemen Welfare Association* के नाम से एक संगठन खड़ा किया है। यह संगठन न केवल बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहा है बल्कि समाज में *एकता, भाईचारे और देशभक्ति* की मिसाल भी कायम कर रहा है।

हम ऐसे देशभक्त पूर्व सैनिकों को सलाम करते हैं और यह आशा करते हैं कि उनकी इस प्रेरणादायी मुहिम से समाज के और भी लोग जुड़ेंगे, अपने-अपने स्तर पर आर्थिक सहयोग करेंगे और इस नेक कार्य में पुण्य की आहुति डालेंगे।

ये पूर्व सैनिक भले ही वर्दी से रिटायर हो गए हों, लेकिन देशभक्ति और समाज सेवा की उनकी ड्यूटी आज भी जारी है।

जय हिंद – जय भारत
सौजन्य से: गुरेज एक्सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन

दानी सज्जनों की सूची पेज 3 पर

अनंत चतुर्दशी की पूर्व संध्या पर टोलवा ट्रस्ट की महासचिव पिंकी कुंडू ने गणेश भक्तों के साथ भगवान श्री गणेश जी पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

जीएसटी पर उफ्तत्सा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मिली जुली प्रतिक्रिया

डीजल को भी जीएसटी के अंतर्गत लाने की आवश्यकता- डॉ राजकुमार यादव

जीएसटी को सरल व सुगम बनाने का उफ्तत्सा का स्वागत, गाड़ी मालिकों को नाम मात्र राहत

राउरकेला: उफ्तत्सा राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा (ट्रक ट्रांसपोर्टर सारथी) ने जीएसटी सुधारों और कर दरों के पुनर्गठन को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बताते हुए कहा है कि यह कदम छोटे गाड़ी मालिकों, उपभोक्ताओं और देश की अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित होगा। उफ्तत्सा का मानना है कि इन सुधारों से कर संरचना सरल होगी, गाड़ियों के उपभोग में वृद्धि होगी और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

उपसह के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजकुमार यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि 400 से अधिक वस्तुओं पर कर दरों में कटौती आम आदमी को रोजमर्रा के खर्च में बड़ी राहत देगी। उन्होंने इसे देशवासियों के लिए ₹प्रधानमंत्री मोदी का दिवाली उपहार होता यदि डीजल को भी जीएसटी के दायरे में ले आते”

श्री यादव ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी सुधारों से आगामी त्योहारी सीजन में घरेलू खपत में 7–8% की बढ़ोतरी होगी। इससे खुदरा व्यापार, परिवहन उद्योग सेवा और छोटे गाड़ी मालिकों के सेवा व भाड़े के पश्चात बचत में आंसिक बचत भी होगी1 बीमा सेवाओं को जीएसटी से मुक्त करने का निर्णय मध्यम वर्ग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़ी राहत है, जिससे बीमा प्रीमियम और किफायती होंगे।

कम दरों के चलते गाड़ी मालिक की खरीद क्षमता बढ़ेगी, उद्योगों को सेवा वृद्धि का लाभ मिलेगा1 कर दरों का सरलीकरण अनुपालन को आसान और सस्ता बनाएगा, वहीं दो प्रमुख दरों के चलते कर संग्रहण और पारदर्शिता को ठेस लगेगी1

विशेषज्ञों के अनुसार, इन सुधारों से

आगामी वित्तीय वर्ष में भारत की जीडीपी में 0.5% से 0.7% तक की अतिरिक्त वृद्धि संभव है। उफ्तत्सा का मानना है कि यह सुधार केवल टैक्स में बदलाव नहीं, बल्कि भारत के व्यापार और आर्थिक विकास का स्वर्णिम अध्याय हैं, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम साबित होंगे। सिंगला व छोटे गाड़ी मालिकों के लिए यह कहीं ना कहीं वरदान है कि इसमें टायर, स्पेयर पाट्र्स, बैटरी आदि के दाम आंशिक रूप से घटेंगे लेकिन बचत की संभावना से अभी भी कोई खास फर्क नहीं दिखेगा1 इसका बस आशिक लाभ मिल सकेगा डीजल को जीएसटी में लाने का मतलब है देश को एक नई दशा और दिशा मिल सकेगी ऐसा राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा का मानना है।

टेंपल आफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर अलाइड ट्रस्ट पंजीकृत के सदस्य बनने के लिए नीचे दिए गए गूगल फार्म पर क्लिक करें और भरकर जमा करे, पिंकी कुंडू, महासचिव टोलवा ट्रस्ट (पंजीकृत अंडर सेक्शन 60), नीति आयोग भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त, एमएसएमई में पंजीकृत
https://forms.gle/VEThcFgMcknGFc1u9

भगवान शिव के जन्म की कथा?

हम सबके प्रिय भगवान शिव का जन्म नहीं हुआ है वे स्वयंभू हैं। लेकिन पुराणों में उनकी उत्पत्ति का विवरण मिलता है। विष्णु पुराण के अनुसार ब्रह्मा भगवान विष्णु की नाभि कमल से पैदा हुए जबकि शिव भगवान विष्णु के माथे के तेज से उत्पन्न हुए बताए गए हैं। विष्णु पुराण के अनुसार माथे के तेज से उत्पन्न होने के कारण ही शिव हमेशा योगमुद्रा में रहते हैं।

श्रीमद् भागवत के अनुसार एक बार जब भगवान विष्णु और ब्रह्मा अहंकार से अभिभूत हो स्वयं को श्रेष्ठ बताते हुए लड़ रहे थे तब एक जलते हुए खंभे से भगवान शिव प्रकट हुए।

विष्णु पुराण में वर्णित शिव के जन्म की कहानी शायद भगवान शिव का एकमात्र बाल रूप वर्णन है। इसके अनुसार ब्रह्मा को एक बच्चे की जरूरत थी। उन्होंने इसके लिए तपस्या की। तब अचानक उनकी गोद में रोते हुए बालक शिव प्रकट हुए। ब्रह्मा ने बच्चे से रोने का कारण पूछा तो उसने बड़ी मासूमियत से जवाब दिया कि उसका कोई नाम नहीं है इसलिए वह रो रहा है।

तब ब्रह्मा ने शिव का नाम 'रूद्र' रखा जिसका अर्थ होता है 'रोने वाला'। शिव तब भी चुप नहीं हुए। इसलिए ब्रह्मा ने उन्हें दूसरा नाम दिया पर शिव को नाम पसंद नहीं आया और वे फिर भी चुप नहीं हुए। इस तरह शिव को चुप कराने के लिए ब्रह्मा ने 8 नाम दिए और शिव 8 नामों (रूद्र, शर्व, भाव, उग्र, भीम, पशुपति, ईशान और महादेव) से जाने गए। शिव पुराण के अनुसार यह नाम पृथ्वी पर लिखे गए थे।

शिव के इस प्रकार ब्रह्मा पुत्र के रूप में जन्म लेने के पीछे भी विष्णु पुराण की एक पौराणिक कथा है। इसके अनुसार जब धरती, आकाश, पाताल समेत पूरा ब्रह्माण्ड जलमग्न था तब ब्रह्मा, विष्णु और महेश (शिव) के सिवा कोई भी देव या प्राणी नहीं था। तब केवल विष्णु ही जल सतह पर अपने शेषनाग पर लेटे नजर आ रहे थे।

तब उनकी नाभि से कमल नाल पर ब्रह्मा जी प्रकट हुए। ब्रह्मा-विष्णु जब सृष्टि के संबंध में बातें कर रहे थे तो शिव जी प्रकट हुए। ब्रह्मा ने उन्हें पहचानने से इंकार कर दिया। तब शिव के रूठ जाने के भय से भगवान विष्णु ने दिव्य दृष्टि प्रदान कर ब्रह्मा को शिव की याद दिलाई।

ब्रह्मा को अपनी गलती का एहसास हुआ और शिव से क्षमा मांगते हुए उन्होंने उनसे अपने पुत्र रूप में पैदा होने का आशीर्वाद मांगा। शिव ने ब्रह्मा की प्रार्थना स्वीकार करते हुए उन्हें यह आशीर्वाद प्रदान किया।

जब ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना शुरू की तो उन्हें एक बच्चे की जरूरत पड़ी और तब उन्हें भगवान शिव का आशीर्वाद ध्यान आया। अतः ब्रह्मा ने तपस्या की और बालक शिव बच्चे के रूप में उनकी गोद में प्रकट हुए।

दिव्यांग बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से किया शिक्षकों का सम्मान

बिलासपुर,छत्तीसगढ़। शिक्षक दिवस के अवसर पर सुवानी शिक्षण समिति द्वारा संचालित सुवानी स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन में विशेष आयोजन किया गया। इस विद्यालय में अध्ययनरत मूकबधिर एवं मंदबुद्धि दिव्यांग बच्चों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने कविताएं, गीत और नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार देवाशीस चटर्जी उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों के बीच समय बिताना उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव है। राधा फाउंडेशन की अध्यक्ष राधा सिंह तथा सुवानी शिक्षण समिति के सचिव श्याम तिवारी भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

विद्यालय के प्राचार्य राजा आर.जे. सिंह ने पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। मंच संचालन गणेश सिंह ने किया। समिति के सचिव श्याम तिवारी ने सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और राधा सिंह ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए शिक्षकों के योगदान को विशेष बताया।

घातक कार्बोहाइड्रेट से बचने के प्रभावी तरीके

घातक (हानिकारक/रिफाइंड) कार्बोहाइड्रेट से बचना ब्लड शुगर, वजन और दिल की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। नीचे दिए गए उपाय अपनाकर आप अपने खानपान से इनका सेवन कम कर सकते हैं:

घातक कार्बोहाइड्रेट से बचने के प्रभावी तरीके

मीठे पेय और पैकेज्ड जूस से बचें: कोल्ड ड्रिंक, फल का पैकेट जूस, शरबत आदि में हाई फ्रुक्टोज, चीनी और रिफाइंड कार्ब अधिक होते हैं.

रिफाइंड ब्रेड और अनाज कम करें: व्हाइट ब्रेड, मैदा, पाउरोटी, सफेद चावल, पिज्जा, पास्ता, बर्गर आदि में फाइबर कम होता है, ये ब्लड शुगर तेजी से बढ़ाते हैं.

पैक्ड स्नैक्स और मिठाइयाँ सीमित करें: बिस्किट, नमकीन, केक, पेस्ट्री, बेकरी उत्पाद, चॉकलेट आदि में रिफाइंड कार्ब और शुगर बहुत ज्यादा.

फलों के रस की जगह पूरा फल खाएं: रस में फाइबर नहीं होता, शुगर तुरंत बढ़ाता है; पूरा फल लें तो फाइबर भी मिलेगा.

स्टार्चयुक्त सब्जियाँ सीमित मात्रा में लें: आलू, अरबी, शकरकंद वगैरह के बजाय हरी पत्तेदार व बिना स्टार्च वाली सब्जियाँ चुनें.

साबुत अनाज, ओट्स, बाजरा, दालें, क्विनोआ चुनें: इनमें कॉम्प्लेक्स कार्ब, फाइबर व पौष्टिक तत्व अधिक होते हैं — ये धीरे-धीरे पचते हैं और शुगर नहीं बढ़ाते.

घर का बना, कम प्रोसेस्ड खाना खाएं: खाने को ज्यादा प्रोसेस या पकाएं नहीं, जैसे सलाद, उबली दाल, भुनी सब्जियाँ.

घरेलू चीनी-गुड़, हाई-फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप से बचें: लिक्विड मिठास देने वाली वस्तुएँ तुरंत शुगर बढ़ाती हैं.

इन उपायों को अपनाकर आप घातक रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट से बच सकते हैं और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प चुन सकते हैं।

एससीओ 2025 और भारत की तीन-स्तंभ रणनीति : सुरक्षा, संपर्क और अवसर

तियानजिन में आयोजित 25वें एससीओ शिखर सम्मेलन 2025 ने भारत की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की तीन-स्तंभ रणनीति—सुरक्षा, संपर्क और अवसर—प्रस्तुत करते हुए आतंकवाद पर शून्य-सहनशीलता, संप्रभुता-सम्मानजनक संपर्क और तकनीक व संस्कृति में अवसरों को बढ़ावा देने पर बल दिया। तियानजिन घोषणा में "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" का भारत-प्रस्तावित दृष्टिकोण शामिल किया गया, साथ ही आतंकवादी हमलों की निंदा और वैश्विक सुधारों का समर्थन भी किया गया।

--- डॉ. प्रियंका सौरभ

शंघाई सहयोग संगठन, जिसकी स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी, मूल रूप से सुरक्षा केंद्रित मंच के रूप में अस्तित्व में आया। चीन, रूस और मध्य एशियाई देशों के लिए यह संगठन आतंकवाद और सीमाई स्थिरता का साझा मंच था। किंतु दो दशकों में यह संगठन धीरे-धीरे बहुआयामी स्वरूप ग्रहण कर चुका है, जिसमें सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक सहयोग, संपर्क, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की स्थापना जैसे मुद्दे प्रमुख हो गए हैं। भारत, जिसने 2005 में प्रेक्षक के रूप में इसमें प्रवेश किया और 2017 में पूर्ण सदस्यता प्राप्त की, इस संगठन में एक ओर अवसर देखता है तो दूसरी ओर चुनौतियों का सामना भी करता है। वर्ष 2025 का तियानजिन शिखर सम्मेलन, जो संगठन की 25वीं वर्षगांठ भी था, इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर भारत की भागीदारी की रूपरेखा तीन स्तंभों—सुरक्षा, संपर्क और अवसर—के रूप में प्रस्तुत की। यह केवल भाषणबाज़ी नहीं थी, बल्कि एक स्पष्ट और संतुलित रणनीति थी, जिसके द्वारा भारत ने अपनी सुरक्षा चिंताओं को रेखांकित किया, संगठन में असंतुलनों को संतुलित करने का प्रयास किया और स्वयं को भविष्य-निर्माता शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। इन तीन स्तंभों की गूंज तियानजिन घोषणा में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई, जहाँ पहली बार "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" का भारत-प्रस्तावित दृष्टिकोण औपचारिक रूप से शामिल किया गया।

पहला स्तंभ, सुरक्षा, भारत की प्राथमिक चिंता है। मोदी ने आतंकवाद के प्रति "शून्य सहनशीलता" का सिद्धांत दोहराते हुए दोहरे मानदंडों को अस्वीकार किया। यह स्पष्ट संदेश पाकिस्तान की ओर निर्देशित था, जो आतंकवादी संगठनों को शरण और समर्थन देने के बावजूद स्वयं को आतंकवाद-रोधी शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। भारत ने सुनिश्चित किया कि तियानजिन घोषणा में कश्मीर के पुलवामा-पहलगाम हमले सहित पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हाल के बड़े आतंकवादी हमलों का स्पष्ट उल्लेख हो। यह भारत की कूटनीतिक जीत थी, क्योंकि पहले की घोषणाएँ अक्सर सामान्य शब्दों में ही सीमित रहती थीं। भारत ने क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (RATS) को सशक्त बनाने, खुफिया साझाकरण बढ़ाने, आतंक वित्तपोषण पर रोक और डिजिटल कट्टरपंथ पर नियंत्रण के उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। अफगानिस्तान की अस्थिरता को लेकर भी भारत ने चेतावनी दी कि यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरा क्षेत्र असुरक्षा की चपेट में आ जाएगा।

दूसरा स्तंभ, संपर्क, भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। मध्य एशिया ऊर्जा-संपन्न और रणनीतिक रूप से अहम क्षेत्र है, किंतु भारत का सीधा भौगोलिक संपर्क सीमित है। मोदी ने चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसे परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने वाले संपर्क ढांचे का समर्थन करता है। यह चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की अप्रत्यक्ष आलोचना थी, विशेषकर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, जो भारतीय क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। भारत ने यह स्पष्ट किया कि विकास का मार्ग किसी देश की संप्रभुता से समझौता करके नहीं बनाया जा सकता।

तियानजिन शिखर सम्मेलन में भारत-चीन संबंधों में आंशिक संवाद भी देखने को मिला। मोदी और शी जिनपिंग की संक्षिप्त मुलाकात में सीमा स्थिरता, वीज़ा बहाली और कैलाश-मानसरोवर जैसी तीर्थयात्राओं के पुनः प्रारंभ की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह इंगित करता है कि भारत के लिए संपर्क केवल भौतिक अवसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के बीच संबंध, व्यापार सामान्यीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

तीसरा स्तंभ, अवसर, भारत की दूरदर्शिता और रचनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि एससीओ केवल सुरक्षा और भू-राजनीति तक सीमित न रहकर नवाचार, युवाओं के सशक्तिकरण और सतत विकास का मंच बने। भारत ने एससीओ स्टार्टअप फोरम को सशक्त बनाने, समावेशी डिजिटल शासन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग पर सहयोग का प्रस्ताव रखा। पर्यावरणीय स्थिरता, हरित ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संयुक्त प्रयासों की भी वकालत की। साथ ही, भारत ने एससीओ में "सभ्यतागत संवाद मंच" स्थापित करने का सुझाव दिया ताकि एशियाई देशों की साझा सांस्कृतिक धरोहर को उजागर किया जा सके। यह स्तंभ भारत को मात्र सुरक्षा केंद्रित राष्ट्र से आगे बढ़ाकर सांस्कृतिक और नैतिक नेतृत्वकर्ता की भूमिका प्रदान करता है।

तियानजिन घोषणा में भारत की इन पहलों की गूंज साफ दिखाई दी। पहली बार घोषणा में "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" जैसे भारतीय दृष्टिकोण को अपनाया गया। यह वही विचार है जिसे भारत ने अपने जी20 अध्यक्षता काल में भी प्रस्तुत किया था। घोषणा में आतंकवादी घटनाओं की स्पष्ट निंदा की गई और एससीओ विकास बैंक की स्थापना पर सहमति बनी, जिसमें चीन ने 1.4 अरब डॉलर की प्रारंभिक पूंजी देने का वादा किया। यद्यपि इससे चीन की आर्थिक प्रभुत्व की आशंका बनी रहती है, किंतु यह एससीओ को एक ठोस आर्थिक मंच बनाने की दिशा में कदम है। घोषणा में बहुध्रुवीयता, संयुक्त राष्ट्र सुधार और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी का समर्थन किया गया। शिक्षा, संस्कृति और सभ्यतागत संवाद को बढ़ावा देने का संकल्प भी इसमें शामिल था, जो भारत की पहल से मेल खाता है।

भारत की इन उपलब्धियों के बावजूद चुनौतियाँ बनी हुई हैं। पाकिस्तान लगातार कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाने की कोशिश करता है, हालांकि उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिलती। चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना अब भी कई देशों को आकर्षित करती है, जिससे भारत का असहमति का रुख संगठन में अंतर्विरोध पैदा करता है। अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर कोई ठोस सामूहिक रणनीति अब भी नहीं बन पाई है। साथ ही, भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए पश्चिमी मंचों जैसे क्वाड और हिंद-प्रशांत पहलों के साथ संतुलन साधना पड़ता है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, एससीओ की प्रासंगिकता तेजी से बढ़ रही है। यह संगठन विश्व की लगभग आधी आबादी और पाँचवें हिस्से की अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे समय में जब रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा और पश्चिम एशिया की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर छाई हुई है, एससीओ बहुध्रुवीयता का प्रतीक बनकर उभरा है। भारत की सक्रिय भूमिका इस संगठन को लोकतांत्रिक और विकासोन्मुखी आयाम प्रदान करती है।

भविष्य की राह में भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवाद-रोधी सहयोग केवल कागज़ी न रहे, बल्कि खुफिया साझा करने और वित्तीय निगरानी जैसी ठोस व्यवस्थाओं में परिणत हो। चाबहार और उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसे वैकल्पिक संपर्क ढाँचों को शीघ्र लागू करना होगा। आईटी और स्टार्टअप क्षेत्र में भारत की ताक़त एससीओ को वैश्विक मंच पर प्रासंगिक बना सकती है। योग, आयुर्वेद, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से भारत अपनी सॉफ्ट पावर और मज़बूत कर सकता है। सबसे अहम चुनौती चीन और रूस के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने की होगी, ताकि भारत अपनी संप्रभुता सुरक्षित रखते हुए स्वतंत्र भूमिका निभा सके।

अंततः, तियानजिन शिखर सम्मेलन केवल एससीओ की वर्षगांठ भर नहीं था, बल्कि भारत की कूटनीति की परिपक्वता का प्रतीक भी था। सुरक्षा, संपर्क और अवसर—ये तीन स्तंभ मिलकर भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय अपेक्षाओं को जोड़ते हैं। तियानजिन घोषणा में भारत की दृष्टि का शामिल होना इसका प्रमाण है। चुनौतियाँ चाहे जितनी भी हों, भारत अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि एससीओ की दिशा तय करने वाला एक प्रमुख वास्तुकार बन चुका है।

मोदी सरकार का ऐतिहासिक जीएसटी रिफॉर्म : आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत की ओर

अशोक कुमार झा

हिंदुस्तान की लोकतांत्रिक यात्रा में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो इतिहास को नई दिशा देने वाले साबित होते हैं। स्वतंत्रता संग्राम ने हमें राजनीतिक आज़ादी दी, हरित क्रांति ने हमें खाद्यान्न सुरक्षा दी, उदारीकरण ने अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजार से जोड़ा, और डिजिटल क्रांति ने नए युग की ओर धकेला। लेकिन कर सुधारों के क्षेत्र में जिस तरह का ऐतिहासिक कदम मोदी सरकार ने उठाया, वह न केवल प्रशासनिक बदलाव है बल्कि एक राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की प्रक्रिया है।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को एक "गुड्स एंड सिंपल टैक्स" के रूप में देखा गया। यह केवल टैक्स स्ट्रक्चर में बदलाव नहीं, बल्कि एक आर्थिक और राजनीतिक क्रांति है, जिसने हिंदुस्तान के संघीय ढांचे को मज़बूत किया, राज्यों और केंद्र को एक साझा राजस्व व्यवस्था से जोड़ा, और कारोबारी माहौल को सरल बनाया।

आज जब मोदी सरकार जीएसटी के सुधारात्मक संस्करण और नए कर ढाँचे को लागू कर रही है, तो यह केवल वित्तीय सुधार नहीं बल्कि "विकसित भारत 2047" की आधारशिला है।

कर सुधारों का ऐतिहासिक सफ़र (सेल्स टैक्स से जीएसटी तक)

हिंदुस्तान में कर प्रणाली का इतिहास प्राचीन काल तक जाता है। मौर्यकाल में "भंडागार" और गुप्त काल में "कर-संग्रह" जैसी व्यवस्थाएँ थीं। अंग्रेज़ों ने आधुनिक कर प्रणाली लागू की, जिसमें आयकर, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क शामिल थे।

स्वतंत्रता के बाद राज्यों ने अलग-अलग सेल्स टैक्स, एंट्री टैक्स, ऑक्ट्रॉय और वैट (VAT) लगाया। इसका परिणाम यह हुआ कि एक ही वस्तु पर कई बार टैक्स लगते रहे। उदाहरण के लिए, एक साधारण कपड़े पर कपड़ा बनाने वाले से लेकर थोक व्यापारी और फिर खुदरा विक्रेता तक, हर स्तर पर अलग-अलग कर वसूले जाते थे। इससे न केवल उपभोक्ता महँगा माल खरीदता था बल्कि उद्योग और व्यापार की प्रतिस्पर्धा भी घटती थी।

जीएसटी का विचार पहली बार 2000 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने दिया। लेकिन इसकी राजनीतिक सहमति और अमल मोदी सरकार ने 2017 में कराया। अब 2025-26 में इसके सुधारात्मक संस्करण पर काम हो रहा है, ताकि यह और अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल हो सके।

जीएसटी सुधार का महत्व और मोदी सरकार का दृष्टिकोण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा कर सुधार को "जनसहभागिता" और "आर्थिक राष्ट्रवाद" से जोड़ा। उनका मानना है कि टैक्स केवल सरकार की आय नहीं, बल्कि विकास का साधन है।

मोदी सरकार का जीएसटी रिफॉर्म तीन प्रमुख आधारों पर खड़ा है:

सादगी – कर दरों को कम स्लैब में लाना और प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाना।

पारदर्शिता – नकली बिलिंग, टैक्स चोरी और भ्रष्टाचार पर लगाम।

साझेदारी – केंद्र और राज्य दोनों के राजस्व हितों का संतुलन।

इस दृष्टिकोण के चलते आज जीएसटी कलेक्शन हर महीने औसतन 1.8 लाख करोड़ के पार पहुँच चुका है, जो कि एक दशक पहले की तुलना में लगभग दोगुना है।

आर्थिक प्रभाव

(क) आम जनता

जीएसटी ने "वन नेशन, वन टैक्स" का सपना पूरा किया। उपभोक्ता को अब अलग-अलग राज्यों में कीमतों का बड़ा फर्क नहीं झेलना पड़ता। मसलन, पहले बिहार और महाराष्ट्र में एक ही मोबाइल फोन पर अलग-अलग टैक्स लगते थे, अब पूरे देश में एक दर लागू होती है।

(ख) किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था

कृषि उपकरण, उर्वरक और बीजों को कम कर स्लैब में रखने से किसानों की लागत घटी है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राहत मिली है।

(ग) MSMEs, छोटे व्यापारी और उद्योग

पहले छोटे व्यापारी टैक्स संरचना के जाल में फँसते थे। अब "कंपोजिशन स्कीम" जैसी व्यवस्था ने उन्हें राहत दी। छोटे उद्योग अब बड़े बाजार में बिना जटिल टैक्स के प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

(घ) बड़े निवेश और स्टार्टअप्स

जीएसटी के बाद विदेशी निवेशकों को भरोसा मिला कि हिंदुस्तान में एक समान कर प्रणाली है। इसी कारण "मेक इन इंडिया" और "स्टार्टअप इंडिया" को नई ऊर्जा मिली।

(ङ) सेवा क्षेत्र और डिजिटल इकोनॉमी

डिजिटल पेमेंट और ई-कॉमर्स कंपनियों को एक समान कर व्यवस्था ने सबसे ज़्यादा फायदा पहुँचाया।

सामाजिक प्रभाव

(क) गरीब और मध्यमवर्ग

आवश्यक वस्तुओं पर कम कर लगने से गरीब और मध्यमवर्ग को सीधा लाभ हुआ।

(ख) महिलाएँ

सैनिटरी नैपकिन जैसी आवश्यक वस्तुएँ टैक्स-फ्री हुईं। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य और सम्मान पर सकारात्मक असर पड़ा।

(ग) शिक्षा और स्वास्थ्य

शिक्षण संस्थानों और स्वास्थ्य सेवाओं पर कर छूट ने सामाजिक कल्याण को बल दिया।

(घ) सामाजिक समानता

जीएसटी ने अमीर और गरीब दोनों को एक समान कर ढाँचे में लाकर आर्थिक समानता का मार्ग खोला।

सांस्कृतिक प्रभाव

त्योहारों और परंपराओं से जुड़े सामान, जैसे दीपावली के दीये, राखी, हस्तशिल्प और हस्तकरघा, पर कम कर दर ने कारीगरों और शिल्पकारों को प्रोत्साहन दिया।

राजनीतिक प्रभाव

जीएसटी मोदी सरकार के लिए एक "राजनीतिक मास्टरस्ट्रोक" साबित हुआ। इससे उनकी "विकसित भारत" की नीति को बल मिला। विपक्ष ने कभी इसे "गब्बर सिंह टैक्स" कहा था, लेकिन समय ने सिद्ध किया कि यह राष्ट्र के आर्थिक भविष्य की नींव है।

राज्यों के साथ समन्वय कर मोदी सरकार ने संघीय ढाँचे को और मजबूत बनाया।

अंतरराष्ट्रीय प्रभाव

जीएसटी ने हिंदुस्तान को "ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस" रैंकिंग में ऊपर पहुँचाया। विदेशी निवेशकों के लिए यह संदेश गया कि हिंदुस्तान अब एक बड़ा बाज़ार है, न कि 28 राज्यों का बँटा हुआ कर ढाँचा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर

IMF और वर्ल्ड बैंक ने हिंदुस्तान की प्रशंसा की।

चीन की तुलना में हिंदुस्तान ने कर पारदर्शिता में बढ़त बनाई।

"चीन प्लस वन" रणनीति के चलते कंपनियाँ अब हिंदुस्तान की ओर रुख कर रही हैं।

राज्यवार प्रभाव

पूर्वी भारत (झारखंड, बिहार, ओडिशा, बंगाल)

यहाँ संसाधन आधारित उद्योग और खनन को लाभ हुआ।

उत्तर भारत

कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था को सस्ती मशीनरी और उर्वरक से लाभ।

दक्षिण भारत

आईटी, ऑटोमोबाइल और शिक्षा क्षेत्र को बड़ा फायदा।

पश्चिम भारत

गुजरात और महाराष्ट्र में व्यापार और निर्यात को नया बल।

भविष्य की संभावनाएँ

मोदी सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक हिंदुस्तान विकसित राष्ट्र बने। जीएसटी इसमें निम्न तरह से योगदान करेगा:

कर-आधार बढ़ेगा।

राजस्व का बड़ा हिस्सा शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसंरचना में लगेगा।

वैश्विक निवेश आकर्षित होगा।

डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

जीएसटी केवल टैक्स सुधार नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय क्रांति है। यह आम जनता से लेकर उद्योगपति, किसान से लेकर स्टार्टअप, और गाँव से लेकर महानगर तक सभी को जोड़ता है।

मोदी सरकार ने इसे लागू कर यह सिद्ध कर दिया कि हिंदुस्तान अब पुराने कर ढाँचों और जटिलताओं से बाहर निकल चुका है।

2047 में जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेंगे, तो इतिहास लिखेगा कि जीएसटी रिफॉर्म ही वह आधारशिला थी, जिसने हिंदुस्तान को आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत बनाया।

खूबसूरती का अक्स...!

हर बात पर तू ना इतराया कर,
अच्छा नहीं, संभल जाया कर।
माना ₹खूबसूरती₹ तेरा शस्त्र है,
कितने अजीबो-गरीब 'वस्त्र' है।
बस, इतना ही हैं तेरा आकर्षण,
क्यों, देखें दुनिया तुझे हर क्षण।

जरा नजरों को भी झुकाया कर,
अदब का लहज़ा अपनाया कर।
होठों पे मिठास कभी लाया कर,
मिशरी की तरह घूल जाया कर।
तब तेरी खूबसूरती का अक्स है,
ज़हां कहेगा वाह क्या?शख्स है।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

अहंकार क्यों है अगर परमात्मा से प्रेम है ?

जीवन एक-अंगी नही है जैसे कि हमारा शरीर। शरीर बनता है कई अंगों से। ऐसे ही हमारा समाज, देश और विश्व बनता है। कुछ नादान लोग सोचते है कि संसार में बस उनका ही देश, प्रांत, भाषा, कल्चर, धर्म या संप्रदाय ही सबसे बढ़िया है, नंबर एक है। बाकी सब दो नंबर या ज़ीरो नंबर है। यह एक अहंकार है जो बचपन से ही लोगों के दिमाग़ में भरना शुरू कर दिया जाता है।

भाषा के अहंकार की बात करें तो कुछ लोग कहते है कि भारत में सिर्फ़ हिंदी भाषा हो, अंग्रेजी ना हो क्योंकि यह अंग्रेजों ने दी है; लेकिन उन्हें यह नही पता कि भारत बहुत बड़ा देश है, यहां बहुत से प्रांत है। जो बात हिंदी – भाषी कहते है कि बस हिंदी ही हो वही बात तमिल बोलने वाले भी कहते है कि सब जगह सिर्फ तमिल ही हो, बंगाली लोग कहते है कि सब जगह बंगाली ही हो, कन्नड़ बोलने वाले कहते है सब जगह सिर्फ कन्नड़ ही हो, मराठी बोलने वाले कहते है सब तरफ़ बस मराठी ही हो।

सिर्फ गुजरातियों में सबसे कम अहंकार है अपनी गुजराती भाषा को लेकर इसलिए गुजराती लोग भारत में सबसे ज्यादा सफल है।

दुनियां में नफरतें है तो इसका कारण राजनीतिज्ञ और धर्मगुरु है जिनकी नीति है कि ₹ लोगों को बांटो, फूट डालो और राज करो₹ ; अगर बांटेंगे तो फूट डाल पाओगे और तभी राज कर पाओगे, तभी इनका शोषण कर पाओगे;

इसलिए
जात के नाम पे,
धर्म के नाम पे,
देश के नाम पे,
प्रांत के नाम पे,
भाषा के नाम पे,

—बांटों, फूट डालो और राज करो।

परमात्मा ने ही सारी दुनियां बनाई है और वह इसलिए सुंदर है क्योंकि इसमें तरह-तरह के फूल है, पक्षी है, कल्चर है, पहाड़ है, जलवायु है, रंग है, भाषाएं है, लोग है। इसलिए हमें इस बात को समझते हुए अहंकार से बचना चाहिए और यदि हम परमात्मा से सच में प्रेम करते है तो उसकी बनाई प्रत्येक चीज़ से भी प्रेम करना चाहिए।

किडनी के मरीज और बाकी सभी के लिए

टाक्सिन बाहर तीन तरह से आता है

1. त्वचा के रास्ते
2. पसीने के द्वारा,
3. फेफड़े से सांस के द्वारा और किडनी से पेशाब के द्वारा

इन तीनो में 95% टाक्सिन शरीर से बाहर पेशाब के द्वारा ही आता है, इसलिए पानी ज्यादा से ज्यादा पीने की जरुरत है लेकिन यदि पेशाब नहीं हो रही है और उसके बावजूद आपने पानी ज्यादा पिया तो जलोदर की प्रॉब्लम हो सकती है।

सबसे पहले इस कड़ी में हमें यह जानना है कि पेशाब बनता कैसे है। हमारी दोनों स्वस्थ्य किडनी 24 घंटे में करीब 450 बार पुरे शरीर के रक्त को फिल्टर करती है इस प्रकार करीब 1700 लिटर खून साफ़ करने का काम किडनी करती है।

दोनों किडनी में करीब 10 लाख से अधिक नेफ्रोंस होते है हर नेफ्रोंस के दो शिरे होते है एक शिरे को ग्लोमेरुँलर और दुसरे शिरे को त्युबुल्स कहते है।

यही हमारे ग्लोमेरुँलर 1700 लिटर खून से 200 लिटर यूरिन बनाते है, जिसका 99% भाग त्युबुल्स एब्जॉर्ब कर लेता है। और बाकि 1.5 से 2 लिटर यूरिन युरेटर के द्वारा मूत्राशय में जमा होता है।

जब मूत्राशय में करीब 350 एम्एल यूरिन जमा हो जाता है तब हमें पेशाब की अनुभूति होती है I

इसलिए हमेशा जितना पेशाब होता है, उससे 500 एम्एल ज्यादा पानी पीना चाहिए।

यदि 1.5 लिटर यूरिन हुआ है। इसका मतलब पेशाब की समस्या नहीं है। और कम से कम 4 से 5 लिटर पानी जरुर पीना चहिये।

अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है, कि जिन्हें पेशाब ठीक से नहीं हो रही है वो पानी की मात्रा कैसे बढ़ाये.

इसके लिए उन्हें कुछ घरेलु नुस्खों का प्रयोग करना चाहिए.

एलोपैथी दवाओ की मदद से पेशाब को बढ़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए नहीं तो उससे किडनी पर असर पड़ता है I

नीचे कुछ प्रयोग है, आजमाए

मूली के पत्तो का जूस दिन में 4 बजे के पहले एक-एक कप करके 3 बार पी सकते है, इससे यूरिन खुलकर होगा I

हरा धनिया के 50 ग्राम पत्तों को छोटा छोटा काटकर एक गिलास पानी में 10 मिनट उबाले, पत्तों को छानकर फेक दीजिये और पानी को हलका गरम गरम खाली पेट सुबह शाम पीजिये I

सुखा धनिया एक चम्मच एक गिलास गरम पानी में रात भिगो दीजिये और सुबह उसे अच्छी तरह मसलकर धनिया छानकर फेक दीजिये और पानी खाली पेट पीजिये धीरे धीरे पेशाब खुलकर आने लगेगा I

पेशाब नहीं हो रहा है तो एक गिलास गरम पानी में थोडा सा फिटकिरी पाउडर मिलाकर खारा करके पीजिये, इससे पेशाब आने लगेगी, लेकिन जो लोग डायलिसिस करा रहे है वो लोग इस प्रयोग को न करे।

जिन लोगो का पोटैशियम बढा है, वो लोग धनियाँ वाला प्रयोग न करे। उनके लिये मूली के पत्तो वाला प्रयोग सबसे सुरक्षित और सेफ है I

पेशाब में जलन की समस्या

दो छोटी इलायची के दाने दिन में दो बार पानी के साथ निगल लीजिये I

पतली छाछ में सोडा मिलाकर पीजिये I

एक छोटा चम्मच धनिया लें। इसे एक कप बकरी के दूध में मिलाएं, मिठास के लिए मिश्री भी डाल लें। इसे पीने से पेशाब की जलन खत्म होगी I

पानी को अमृत कैसे बनाये

पानी को 20 मिनट उबालकर सूती कपडे से छानकर ताम्बे के बरतन में या मिटटी के बर्तन में थोड़े से तुलसी के पत्ते डालकर रख दीजिये 3 घंटे के बाद आपका पानी फिर अमृत के जैसा हो जाएगा I

पानी को मिटटी के घड़े में डालकर थोड़ी सी फिटकिरी डालकर रख दीजिये पानी शुद्ध हो जायेगा और उसकी जीवनी शक्ति भी बनी रहेगी I

एक लिटर पानी में 100 ग्राम जौ डालकर 15 मिनट उबालें उसके बाद छानकर रख लीजिये, यह भी पानी बहुत फायदे का रहेगा I

कांच की ग्रीन बोतल में पानी भरकर सूर्य की रोशनी में 8 घंटे के लिए रख दीजिये उसके बाद सुबह सुबह उठाते ही मुह धोकर पीजिये। एक कप दोपहर के भोजन के आधा घंटा पहले पीजिये एक कप रात का भोजन के पहले पीजिये यह पानी बीमारियों से बचाएगा I

वाटर प्योरिफायर के पानी को मिट्टी के घड़े में रखे फिर 4 घण्टे बाद इस्तेमाल करे।

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड कॉमर्स
DELHI COLLEGE OF ARTS & COMMERCE
दिल्ली विश्वविद्यालय
(University of Delhi)
नेताजी नगर, नई दिल्ली–110023
Netaji Nagar, New Delhi - 110023

Advt. No. DCAC/Advt./NTS/2025/321 Dated: 24.06.2025

Online Application forms are invited for the following Non-Teaching post(s) on permanent basis:

Details of posts to be filled

S. no.	Name of the Post	Pay Level	Total No. of posts	UR	SC	ST	OBC	EWS	PwBD	Age Limit
1	Director of Physical Education	10	01	01	--	--	--	--	--	As per University of Delhi Rules
2	Senior Technical Assistant (Computer)	06	01	--	--	--	--	--	01 (HI)	35 years
3	Professional Assistant	06	02	02	--	--	--	--	--	35 years
4	Semi Professional Assistant	05	01	--	01	--	--	--	--	32 years
5	Library Attendant	01	01	01	--	--	--	--	--	32 years

*** The posts will be filled up after due approval of UGC and the University of Delhi.**

The last date of receipt of application is 21.09.2025 or within two weeks from the date of publication of the advertisement in the Employment News, whichever is later. For details, please visit College website https://www.dcac.du.ac.in. The link for submission of application is https://dunt.uod.ac.in.

Any addendum/dedendum/corrigendum shall be posted on the College website only.

Important Note: The details regarding qualifications, experience, screening guidelines and indicative performs etc. are available on the College website: https://www.dcac.du.ac.in under the menu-item Recruitment along with this advertisement. Age relaxation will be given as per the rules of University of Delhi and UGC. The applicants are required to read these details before filling up the form.

PRINCIPAL

FREE HEALTH CHECK-UP CAMP
Organised by :
St. John Ambulance Brigade Delhi
on 07th Sep. 2025 (Sunday) 09:00am to 02:00pm

Courtesy :-
Gurudwara Singh Sabha Giri Nagar &
Guru Amardas Sewa Trust
Govind Puri, Kalkaji, New Delhi

Contact No : Guru Amardas Sewa Trust
9350791313, 9268581313

स्टॉल प्रस्ताव :
सिंगल साइड ओपन स्टोल : 2000
कॉर्नर साइड स्टोल : 3500
तीन साइड ओपन स्टोल : 4500
सिर्फ एक टेबल : 1000
सिर्फ दो टेबल : 1250

कार्यक्रम विवरण :
रक्षा गरबा–डांडिया और दुर्गा पूजा महोत्सव
स्थान : डीडीए ग्राउंड, रामलीला ग्राउंड के सामने, स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के बगल में, PNB बैंक के पीछे, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली 110075

तारीखें : 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025
* दुकान का आकार : 10 फीट x 10 फीट
* शामिल सुविधाएँ :
* 2 कुर्सियाँ * 2 टेबल
*लाइट व चार्जिंग प्वाइंट

भुगतान की शर्तें :
* अग्रिम भुगतान आवश्यक
* बुकिंग के समय 50% भुगतान
* कब्जे के समय 50% भुगतान

संपर्क : इंदु राजपूत
मोबाइल : 9210210071

रक्षा द सेवियर की ओर से प्रस्तुत
गरबा महोत्सव में विशेष अपील
हमारी रक्षा द सेवियर की ओर से
रक्षा गरबा डांडिया एवं दुर्गा पूजा महोत्सव में आने वाले सभी लोगों से विनम्र निवेदन है–
इस नवरात्रि एक सेवा ड्राइव चलाई जा रही है

आप अपने घर से लाएँ और दान करें :
- पुराने कपड़े
- पुराने कंबल
- पुराने जूते-चप्पल
- बच्चों के लिए बैग
- किताबें

आपका छोटा-सा योगदान किसी ज़रूरतमंद के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है

स्थान :
रक्षा गरबा डांडिया एवं दुर्गा पूजा महोत्सव
रामलीला मैदान के सामने, आरटीओ ऑथोरिटी के पास
सेक्टर 10 डीडीए ग्राउंड, नई दिल्ली

विशेष सूचना
नवरात्रि में मातारानी की खंडित मूर्तियाँ, टूटे हुए फ़ोटो, पुरानी चुनरियाँ और नवरात्रि में बोए गए जवारों का विसर्जन
- दशहरे के दूसरे दिन
- दिनांक : 3 अक्टूबर की सुबह
- स्थान : रक्षा नवरात्रि गरबा एवं दुर्गा पूजा ग्राउंड

स्थान विवरण :
रामलीला मैदान के सामने,
आरटीओ ऑथोरिटी के पास,
सेक्टर 10 डीडीए ग्राउंड, नई दिल्ली

संपर्क सूत्र :
इंदु राजपूत – 9210210071
सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है कि इस पावन विसर्जन में सहभागी बनें।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, सेवा विभाग, (दिल्ली सचिवालय, 7वीं मंजिल: बी-विंग, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली)
(http://services.delhigovt.nic.in)

सं. एफ. 3(1)(9)/2019/एस./11/134-146, दिनांक: 09 जनवरी, 2019

कार्यालय स्मरण

विषय: जीएनसीटीडी के विभागों में मंत्रालयिक/कार्यकारी पदों पर डीएएसएस कैडर अधिकारियों/कर्मचारियों की तैनाती के संबंध में।

1. अधोहस्ताक्षरी को सेवा विभाग के आदेश दिनांक 09/05/1994 और आदेश संख्या 480 दिनांक 29/08/2016 (तत्काल संदर्भ के लिए प्रतिलिपि संलग्न) का संदर्भ देने का निर्देश दिया गया है, जिसके तहत अनुमोदन प्राधिकारी द्वारा डीएएसएस कैडर अधिकारियों/कर्मचारियों सहित विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों को स्थानांतरित करने के लिए अधिसूचना जारी की गई थी।

2. यह देखा गया है कि जीएनसीटीडी के विभागों में पदों को अभी भी मंत्रिस्तरीय और कार्यकारी पदों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इन पदों पर डीएएसएस कैडर का स्थानांतरण/तैनाती कैडर नियंत्रण प्राधिकरण होने के नाते सीधे सेवा विभाग द्वारा की जा रही है।

3. डीएएसएस कैडर अधिकारियों/कर्मचारियों की मंत्रिस्तरीय/कार्यकारी पद पर स्थानांतरण/तैनाती से संबंधित मामले की समीक्षा की गई है और सक्षम प्राधिकारी ने निर्णय लिया है कि अब से, सेवा विभाग डीएएसएस कैडर अधिकारियों/कर्मचारियों को विभाग में ग्रेड-I/II//III/IV (डीएएसएस) के रूप में तैनात करेगा और विभाग के भीतर कार्यकारी/मंत्रिस्तरीय पदों पर आगे की तैनाती का निर्णय संबंधित प्रशासनिक विभाग द्वारा किया जाएगा।

4. जीएनसीटीडी के सभी विभागों से अनुरोध है कि वे इन निर्देशों को सभी संबंधितों के ध्यान में लाएं।

5. यह सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(सी. उदय कुमार)
विशेष सचिव (सेवाएँ), दिनांक: 09 जनवरी, 2019, सं. एफ. 3(1)(9)/2019/एस./II/134-146-

सूचनार्थ प्रतिलिपि प्रेषित:
1. सभी विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली/नई दिल्ली।
2. माननीय उपराज्यपाल के प्रधान सचिव, दिल्ली, राज निवास, दिल्ली।
3. मुख्य सचिव के विशेष सचिव, जीएनसीटीडी, पांचवां स्तर, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली।
4. सचिव के निजी सहायक, सेवा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली
5. विशेष सचिव-I/अपर सचिव/उप सचिव के निजी सहायक, सेवा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली
6. सभी अनुभाग अधिकारी, सेवा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली।
7. अनुभाग अधिकारी (समन्वय), सेवा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली को इस अनुरोध के साथ कि इस परिपत्र को सेवा विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाए।
8. गार्ड फाइल/कंप्यूटर सहायक।

(सी. उदय कुमार)
विशेष सचिव (सेवाएँ)

Flood Relief Fund donated by
दानी सज्जनों की सूची

1. SM/H/Capt Ramkumar 1000/
2. Sub/Clk Vipin Kumar 500/
3. Hav Balwant 500/
4. Hav parveen kumar 500
5. Hav Surender जांघू 500
6. Hav राजकुमार दूबलधन 501
7. Sub उमेद सिंह 5100/
8. Hav प्रेम बॉक्सर 500/
9. Hav हरपाल B ,SBI,1100/
10. प्रवीण टीम से श्री अनिल भुक्कल 500/
11. Sub रामपाल 1000/
12. Hav मुख्तियार सिंह MT 700/
13. नरेंद्र कुमार 500/
14. Sub सोरन चंद 1000/
15. Hav राजेश जांगड़ा 500/
16. Hav रतन 500
17. Hav राजबीर जयपुर 500
18. Hav प्रवीण यादव 500
19. Hav दिलेर 500
20. H/Lt Ajay Kumar 1000/
21. H/SM रमेश कुंडू 2000
22. Hav Sukhvinder प्रधान 1111/
23. Nk हरेंद्र गौड़ 5100/ साथी प्रवीण की टीम से
24. डॉ राम 500
25. प्रवीण पाटिल जी 2000/
26. भारत भूषण 500/
27. विनोद जी 500/
28. रोहित जी 500/
29. अजय दहिया 500/
30. Epic world राजेश 700/
31. Epic W संतोष 501/
32. epic W devender 500/
33. Sub करतार 1100/
34. Hav,Clk महेश 1100/
35. Nk पवन शर्मा 551/
36. H/SM BASANT कुमार 1100/
37. HAV धूप सिंह 500/
38. HAV SATBIR कुरुक्षेत्र 1000/
39. HAV PRVEEN पंजाब 2000/
40. Hav Sudesh 500/-
41. SM/H/Capt/Skt Bed प्रकाश 5100/
42. Hav राजेश 500/
43. H दिनेश शर्मा 500/
44. Hav नरेश कुमार 1100/
45. H/SM शेर सिंह ढाका 5100/
46. NK विद्यानंद मलिक 2100/
47. HAV नेत्र पाल 500/
48. सुनील कैरोन 1100/
49. Hav रवि कुमार जींद 500/
50. Nk दीपक शर्मा 500/
51. Hav सुनील कुमार जाखड़ 1100/
52. Hav राजेंद्र कसाना 1000/
53. Hav pawan 551/-
54. Epic world Virender Jhajjar-500/-
55. Hav Ravinder Jhakar Dhaniya-500/-
56. Hav Amrish -500/-
57. SM Jagbir sab-5100/-
58. Hav Pahlad Ram -500/-
59. Hav Subash -500/-
60. Ghanashyam sab-1100/-
61. Hav Anil Tomar -500/-
62. Hav Ram Bilas -500/-
63. Sub Ram niwas -1100/-
64. Sub sunil deswal-1000/-
65. Hav Virender yadav-500/-
66. Sub Bijender Chahar Agra-1100/-
67. Hav sira Ram-501/-
68. Hav Ramesh Molkosg-1100/-
69. Epic world Raj-500/-
70. Epic world -500/-
71. Hav Vijay Dalal-1100/-
72. Hav satbir yadav-500/-
73. Epic world Yogesh Tirkha-500/-
74. Epic world Dinesh sony-500/-
75. Hav Ravinder R khera-1100/-
76. Epic World Lokesh saini-500/-
77. SM Parma ram-1100/-
78. Hav Narayan -1101/-
79. Hav sita ram-500/-
80. Sub Davender Basket -1100/-
81. Capt surender Shekhawat -1100/-
82. Capt Anoop Kumar-1100/-
83. Sub Sube singh-1100/-
84. Hav Gagan deep-1100/-
85. Epic मेघराज 500
86. Hav राजेंद्र कसाना 1000/टोटल 1551/
87. H/Capt Ramniwas malikpur 5100/
88. Hav Jagdish सैनी 500
89. HAV तारा चन्द 500
90. hav दलबीर यादव 500
91. सूबेदार जयपाल सांगवान 1100/
92. HAV वीरेंद्र सिंह 1100
93. CHM लक्ष्मण राम 1100
94. HAV नन्द सिंह 1100
95. HAV RAJKUMAR 1100
96. HAV बलराज 500
97. HAV जसपाल 500
98. सूबेदार संजय पहलवान 5100/
99. SUB BRAHM PRAKASH सांगवान 2100
100. EPIC कुलदीप 500
101. HAV महेंद्र शर्मा 500
102. HAV RAJUDAN 500
103. HAV रोहतास दादरी 1100/
104. सब प्रमोद त्यागी 1100
1o5. HM SALOON 2000
106. KAPIL, (सतीश) 1100
107. Epic N Rao 1000/
108. Hav Sandeep sarpanch,500/
109. Hav Jagdish Prasad 500/
110. Sub Rajender 1100
111. Hav Rajesh C , 500/
112. hav Suresh Kaithal 500
113. Hav Viru Sehrawat 500/
114 Hav Balwan mahendergarh 500/
115. Hav Ramavtar 1100
116. Sub Babu Khan 500
117. सुरेश मीना 500/
118 सूबेदार मेजर नरेश जाखड़ 2100/
119 हवलदार राकेश बॉक्सर 10,000/
120. Hav राजबीर मलिक 5100/
121 विजय डागर ग्राम सभा 2100
122. Dr जयदेव kharb 500/
123. मास्टर धर्मेंद्र P.K. 1100
124 राजेंद्र सोलंकी PK (MCD) 5000/
125. Insp आजाद दलाल 731GS 501/
126. अरविन्द 682GS 500/
127 सुदर्शन Svt GS 1100/
128. Naveen कौशिक studio GS , 1000/
129. विकास मलिक 500/

भारतीय पैकेजिंग संस्थान
Indian Institute of Packaging
An autonomous body under Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India

RECRUITMENT NOTICE- IIP-01/2025

Indian Institute of Packaging (IIP), an autonomous body under Ministry of Commerce and Industry, Govt. of India, invites applications for filling up various posts at its Head Office in Mumbai and other Regional Offices all over India under Direct Recruitment as well as Deputation/Short Term Contract as per the following details:

Sr. No.	Name of Post	Method of Recruitment	Pay Level	No. of Vacancies
1	Additional Director/ Professor	Direct Recruitment	13-A	1 (UR)
2	Deputy Director/ Assistant Professor (Technical)	Direct Recruitment	11	2 (1 SC & 1 UR)
3	Assistant Director/ Lecturer (Technical)	Direct Recruitment	10	4 (UR)
4	Assistant Director (Administration)	Direct Recruitment	10	1 (UR)
5	Technical Assistant	Direct Recruitment	6	7 (2 OBC, 1 ST, 1 EWS & 3 UR)
6	Clerk	Direct Recruitment	2	5 (1 OBC, 1 EWS & 3 UR)
7	Assistant Director (Library)	Deputation/ Short Term Contract	10	1 (UR)
8	Section Officer (Hindi)	Deputation/ Short Term Contract	7	1 (UR)
9	Junior Assistant	Short Term Contract	4	3 (UR)

For detailed advertisement containing complete relevant information and application format with terms and conditions, please refer "Careers" section of IIP website **www.iip-in.com**

Eligible candidates are required to forward the duly filled application along with relevant enclosures. Last Date for receiving Application through online mode is **24 September 2025 before 05:00 p.m.** and hard copy of application along with requisite documents and demand draft of application fees is **1st October 2025 before 05:00 p.m.**

Sd/-
Deputy Director (Administration)

EN 22/74

रेल विकास निगम लिमिटेड
Rail Vikas Nigam Limited
गुणवत्ता, गति एवं पारदर्शिता
(A Government of India Enterprise)

Government of India
Rail Vikas Nigam Limited
August Kranti Bhawan, Bhikaji Cama Place, R. K. Puram, New Delhi-110066
Invites applications for the following post as mentioned at S.No. 1 & 2 and Walk-in Interview for S.No-3

ADVT NO./ Issue date	Name (Deptt.) and No. of the Posts	Location	Terms of Appointment	Last date of receipt of application
23/2025 dated 29.08.2025	Sr. DGM (Finance) (E-5) (02 posts), Manager (Finance) (E-2) (03 posts)	Anywhere in India	On Regular basis	28.09.2025 by 17:00 hrs
24/2025 dated 29.08.2025	CPM (Civil) (E-8) (01 post)	New Delhi	On Regular basis	28.09.2025 by 17:00 hrs
25/2025 dated 29.08.2025	CPM (Civil) (E-8) (01 post) for "Ekatha Harbour Project"	Male, Maldives	On Contract basis	Walk-In Intrw. on 17.09.2025 by 10:00 AM

For details (Requisite Qualification & Experience) login to website **http://www.rvnl.org-Career-Jobs**

DAV COLLEGE MANAGING COMMITTEE
CHITRA GUPTA ROAD, NEW DELHI-110055. Tel: 011-35661400

We are on the look out for dynamic, result-oriented, innovative and computer savvy

PRINCIPALS / HEADMASTERS / HEADMISTRESSES

For DAV Public/Model Schools situated in Different States of India

PRINCIPAL At least 10 years of experience of teaching Secondary/Senior Secondary classes in Public Schools including 5 years of relevant educational administrative experience.

HEADMASTER / HEADMISTRESS At least 6 years of experience of teaching Middle/Secondary classes including 3 years of relevant educational administrative experience.

ESSENTIAL QUALIFICATION : Master's Degree with at least 50% marks & B.Ed. from any UGC recognized University

AGE (For External Candidates) - Not more than 45 yrs.
(For Internal Candidates) - As per DAV norms.

PAY COMMISSION : As per DAVCMC norms

Applications are invited within 15 days from the date of publication of the advertisement on the prescribed form. Application forms can be downloaded from the website **www.davcmc.net.in** which will be submitted alongwith demand draft of Rs.250/- in favour of 'Secretary, DAV College Managing Committee, New Delhi' alongwith attested copies of educational qualification certificate. **The DAVCMC reserves the right to cancel the recruitment process at any stage.**

Applicants should indicate their preference for various "STATES" on the prescribed form. Candidates already working in DAV Institutions must apply through proper channel.

The services are transferable anywhere in India. General Secretary

NMDC Limited
(A Government of India Enterprise)
'Khanij Bhavan', 10-3-311/A, Castle Hills, Masab Tank, Hyderabad-500 028
CIN : L13100TG1958GOI001674

NOTICE

No: 2(95)/Rect.2025/ET(TECH.)-2026 Dated : 29.08.2025

NMDC Limited, a Navaratna Public Sector Enterprise under the Ministry of Steel, Government of India and a multi locational, multi product and consistently profit-making Mining & Mineral Exploration Organization with large turnover. NMDC Ltd is in the process of massive expansion and diversification both in India and abroad.

NMDC Ltd has planned to recruit Executive Trainee (Tech.) based on requirement during year 2026 and beyond. For this recruitment of Executive Trainees applications will be invited from candidates who have appeared for GATE-2026 examination. Hence, candidates interested of applying for the post of Executive Trainee (Tech.) in NMDC Ltd. are advised to appear for GATE-2026 examination.

Asst. General Manager (HR)

ब्रज भूमि के कण-कण में है भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा रानी का वास : पण्डित बनवारी महाराज

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। रुकमणी विहार स्थित होटल हाईड अवे स्टूडियो में एकल श्री हरि सत्संग समिति, सिलीगुडी (पश्चिम बंगाल) के द्वारा अंतरराष्ट्रीय भजन गायक एवं कथा व्यास पण्डित बनवारी महाराज (संगीताचार्य) के पावन सानिध्य में अष्ट दिवसीय ब्रज चौरासी कोस दर्शन यात्रा महोत्सव के समापन पर सन्त, ब्रजवासी वैष्णव सेवा का आयोजन अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर ब्रज की महिमा पर प्रवचन करते हुए पण्डित बनवारी महाराज ने कहा कि ब्रज भूमि में समस्त तीर्थ स्थल सूक्ष्म रूप में विद्यमान हैं।यहां के कण-कण में भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा रानी का वास हैं।इसीलिए इसकी परिक्रमा करने से सभी मनोरथ सिद्ध होते हैं।

भागवताचार्य डॉ. अशोक शास्त्री एवं आचार्य विपिन बापू महाराज ने कहा कि ब्रज मंडल चौरासी कोस की परिक्रमा सर्वप्रथम भगवान श्रीकृष्ण ने अपने माता यशोदा और पिता नंदबाबा को कराई थी।जिससे उन्हें समस्त धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों के दर्शनों के फल की प्राप्ति हुई थी।

प्रख्यात साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं पण्डित बिहारीलाल शास्त्री ने कहा कि ब्रजभूमि का प्राकट्य गोलोक धाम में श्रीराधा रानी की इच्छा से भगवान श्रीकृष्ण के हृदय से हुआ था। इसलिए ये कोई साधारण भूमि नही है, अपितु भगवान श्रीकृष्ण का ही अभिन्न अंग है।

एकल श्री हरि सत्संग समिति, सिलीगुडी के अध्यक्ष पवन अग्रवाल (बीटीसी) एवं सचिव श्रीकृष्ण राम पुरिया ने कहा कि हमारी संस्था के द्वारा सनातन धर्म को मजबूत बनाने के लिए कई मंदिरों की स्थापना करके सनातन धर्म की जागरूकता के लिए युद्ध स्तर पर धर्म परिवर्तन का विरोध किया जा रहा है।साथ ही धार्मिक शिक्षा के लिए देश भर में 9 केंद्रों की स्थापना की गई है।जिनमें अयोध्या, नवद्वीप एवं वृन्दावन आदि प्रमुख हैं।इसके अलावा हमारी संस्था के द्वारा ग्रामीण

आंचलों के गरीब परिवारों को मासिक 5 से 7 हजार धनराशि दी जा रही है।जिनसे गरीब हिन्दू परिवारों में धर्म परिवर्तन रोका जा सके।

सायं काल सरस भजन संध्या एवं होली महोत्सव आयोजित हुआ।जिसमें पण्डित बनवारी महाराज (संगीताचार्य) ने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा ब्रज वृन्दावन, श्रीकृष्ण, माता रानी, पितृ देव एवं श्रीहनुमान महाराज की महिमा से ओतप्रोत भजनों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया।जिन पर समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं ने जम कर नृत्य किया।

भजन संध्या के अंतर्गत ब्रज सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉक्टर गोपाल चतुर्वेदी ने संगीताचार्य पंडित बनवारी महाराज का उनके द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में किए गए अविस्मरणीय सेवा कार्यों के लिए सम्मान किया।

महोत्सव में श्रीराम कथा मर्मज्ञ अशोक व्यास, रासाचार्य स्वामी राम शरण शर्मा, स्वामी प्रेम शरण शर्मा, डॉ. राधाकांत शर्मा, पण्डित श्यामेश अशोक शास्त्री, किशन सर्राफ, गजानंद अग्रवाल, पवन अग्रवाल (कोलगेट), प्रमोद जालान, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष शोभा अग्रवाल, सचिव वेणु अग्रवाल, सुमन गोयल, विनोद बंसल आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

फन वे लर्निंग एनजीओ में टीचर्स डे बड़े धूमधाम से डांस, संगीत और गायन के साथ मनाया गया और खुला लंगर भी बाँटा गया।

सुर जागृति फाउंडेशन 'मेहर' फिल्म से जुड़ा, राज कुंद्रा का बड़ा ऐलान – पहले दिन की कमाई जाएगी पंजाब बाढ़ पीड़ितों के नाम

मुख्य संवाददाता

नई दिल्ली। सुर जागृति फाउंडेशन ने गर्व से पंजाबी फिल्म 'मेहर' के साथ एक एनजीओ पार्टनर के रूप में हाथ मिलाया। फिल्म के निर्माता दिव्या भटनागर, अभिनेता-निर्माता राज कुंद्रा और अभिनेत्री गीता बसरा को इस मौके पर दिल्ली पहुंचना था, लेकिन भारी बारिश के कारण उनकी फ्लाइट चंडीगढ़ डायवर्ट हो गई। ऐसे में उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। बंगला साहिब गुरुद्वारे के चेयरमैन सुरजीत सिंह भी इस अवसर पर मौजूद रहे। उन्होंने राज कुंद्रा को दोबारा बाल व पगड़ी धारण करने और सिख धर्म अपनाने पर शुभकामनाएँ दीं। इस पर बंगला साहिब गुरुद्वारे के चेयरमैन सुरजीत सिंह ने कहा कि इससे सिख भाइयों में खुशी की लहर दौड़ी है। राज कुंद्रा ने कार्यक्रम में घोषणा की कि पंजाब में आई बाढ़ को देखते हुए 'मेहर' फिल्म के पहले दिन की पूरी कमाई बाढ़ पीड़ितों को समर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा कि रिलीज डेट टालने से कोई लाभ नहीं, बल्कि पीड़ितों की मदद ज़रूरी है। इसके अलावा स्वामी प्रेमानंद को किडनी दान करने से जुड़े सवाल पर राज कुंद्रा ने स्वीकार किया कि उन्होंने स्वयं उनसे अनुरोध किया था कि वे अपनी किडनी देना चाहते हैं ताकि स्वामीजी समाज सेवा का कार्य जारी रख सकें। कार्यक्रम में गीता बसरा ने फिल्म 'मेहर' के विषय पर कहा कि यह कहानी बताती है कि एक इंसान अपने परिवार के लिए किस हद तक कुर्बानियां कर सकता है। सुर जागृति फाउंडेशन के सुखपाल सिंह ने इस अवसर पर घोषणा की कि उनकी टीम दवाइयों का बड़ा स्टॉक लेकर जल्द ही पंजाब रवाना होगी। देविन्दर सिंह साहनी-वॉइस प्रेसिडेंट सुर जागृति फाउंडेशन एवं सुरिंदरपाल सिंह रामा- संरक्षक सुर जागृति फाउंडेशन ने बताया कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में भोजन व पानी की व्यवस्था तो हो रही है, लेकिन दवाइयाँ नहीं पहुँच पा रहीं। ऐसे में फाउंडेशन की टीम सुनिश्चित करेगी कि प्रभावित इलाकों तक आवश्यक दवाइयाँ पहुँचें।

ओखला में जुलूस-ए-मोहम्मदी के मौके पर सबील-ए-मोहम्मदी का आयोजन

नई दिल्ली: 1500वें जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर पीस पार्टी यूथ विंग दिल्ली प्रदेश के ज़ेरे-एहतिमाम दिल्ली के ओखला विधानसभा क्षेत्र में जुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान सबील-ए-मोहम्मदी का आयोजन किया गया। इस मौके पर जुलूस में शामिल तमाम आशिक़ान-ए-रसूल की ख़िदमत में मोहब्बत और अकीदत के साथ शरबत तक़सीम किया गया।

इस सबील के आयोजन में अध्यक्ष अब्दुल ख़ालिक ख़ान, जनरल सेक्रेटरी नवाज़ सरवर, सेक्रेटरी समीर, ज्वाइंट सेक्रेटरी अर्सलान और मनान हैदर, सदस्य अशरफ़ और स्थानीय नौजवान उमर और रेहान पेश-पेश रहे। इन लोगों ने ख़ुद बढ़-चढ़कर आशिक़ान-ए-रसूल को शरबत पेश किया और इस नेक काम को अंजाम दिया।

इस मौके पर नवाज़ सरवर ने कहा कि सबील-ए-मोहम्मदी का आयोजन हज़रत मोहम्मद से मोहब्बत और अकीदत का अमली इज़हार है। जुलूस में शामिल आशिक़ान-ए-रसूल की ख़िदमत हमारे लिए सबसे बड़ी नेमत और सआदत है। हम चाहते हैं कि इस पैग़ाम के ज़रिए मोहब्बत, भाईचारे और इत्तेहाद को आम किया जाए। वहीं अब्दुल ख़ालिक ख़ान ने अपने बयान में कहा कि नबी करीम की विलादत-ए-बासअदत के मौके पर सबील का कार्यक्रम समाज में भाईचारे और मोहब्बत को मज़बूत करता है। शुरक़ा (प्रतिभागियों) ने पीस पार्टी की इस कोशिश को सराहते हुए कहा कि सबील-ए-मोहम्मदी न सिर्फ़ ईसार व क़ुर्बानी की अलामत है बल्कि इत्तेहाद और भाईचारे के जज़्बे को भी मज़बूत करती है।

व्यंग्य : हमारी " सड़क" का गंभीर रूप से "ऐक्सिडेंट" हों गया

अत्यंत दुःख के साथ सुचित करने में आता है कि , हमारी प्यारी सी लाडली ₹ सड़क ₹ का पिछले दिनों बरसात के मौसम में तेज़ आंधी के साथ पानी गिरने से बहुत गंभीर रूप से ₹ ऐक्सिडेंट ₹ हों गया था। जिसके कारण आप सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ा और साथ ही सड़क की मरम्मत में हमने काफी पैसा लगा कर डाक्टर से अच्छे से अच्छा इलाज किया जा रहा है किंतु ,अभी तक किसी भी तरीके से कोई ₹ सुधार ₹ की संभावना नजर नहीं आती है। इस ऐक्सिडेंट में कई पुल व मकान चपेट में आ गए । हमारे संगी-साथी मौसम विभाग की ₹ भविष्यवाणी ₹ से कई तरीके से जन-धन की हानी हुई.है जिनका सही अर्थों में ₹ अर्थ ₹ निकाला बाकी है। इस मौसम की वजह से हुएं ऐक्सिडेंट में ₹ जनहानि निवारण ₹ हेतु आपसे निवेदन है कि , वह किसी भी पार्टी के कामदार ₹ नेता ₹ को दोषी न ठहरायें और सही रूप से किसी नामदार ₹ इंजीनियर ₹ की इसमें कोई ग़लती नही है । इसमें कोई भी ₹ ठेकेदार ₹ अपने कार्य में बेईमान नहीं निकला है। यह तों वक्त की तेज , तर्रार , चतुराई सी और चालाकी भरी चाल ₹ प्रकृति ₹ की थी जिसे कोई समझ नहीं पाएं और इसी वजह से आज सड़क पर कई प्रकार से गड्ढों आईने की तरह साफ दिखाई दे रहे है। जिसके चलते सड़क पर, सड़क तक नही दिखाई दे रही है।

अतः आप सभी धेर्यवान, समझदार नागरिकों से क्रमबद्ध अपील है कि , वह किसी भी प्रकार कि कोई प्रतिक्रिया नहीं करें । किसी भी तरह से इस ऐक्सिडेंट की कोई ₹ रिल ₹ नहीं बनाएं और न ही किसी बहाने ₹ मीडिया बाज़ी ₹ करें । आप सिर्फ, सिर्फ बरसात के मौसम का खत्म होने का इंतजार ₹ अच्छे दिन ₹ की तरह करते करें और ध्यान पूर्वक ₹ सब्र कर बंदे ये दिन भी गुज़र जाएंगे ₹ मंत्र का जाप करते रहे। अगर आपको करना ही है । कोई क्रिया , प्रतिक्रिया , धरना आंदोलन , हल्ला बोल , ज्ञापन बाज़ी शहर बंद, हड़ताल तो सिर्फ आप इस प्राकृतिक के खिलाफ करें जिसकी वजह से इन ईमानदार नेताओं , कामदार ठेकेदार और इंजीनियरों पर ₹ आज़ उंगलीयां उठ रही है ।

प्रकाश हेमावत
मकान नं 545 गली नं 5 बुद्धेश्वर मंदिर की तरफ टाटा नगर रतलाम

महाराष्ट्र मंडल, मयूर विहार का गणेशोत्सव-2025

सुषमा रानी

महाराष्ट्र मंडल, मयूर विहार द्वारा आयोजित चार दिवसीय सार्वजनिक गणेश उत्सव 2025, बप्पा की आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गोष्ठियों और स्वादिष्ट भोजन व प्रसाद के साथ भक्तों द्वारा आनंदित होकर अत्यंत सफल रहा। इस वर्ष गणेश स्थापना पहले दिन 27 सितंबर को शाम 5 बजे गर्ग सेलिब्रेशन हॉल, आचार्य निकेतन मार्केट, आईसीआईसीआई बैंक के पास, मयूर विहार फेज-1, दिल्ली में की गई। इसके बाद बच्चों के लिए ₹विविध गुण दर्शन₹ नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने गीत गाए, गणेश वंदना गीतों पर नृत्य किया, गोंधल ने संस्कृत श्लोकों का पाठ किया और एक वरिष्ठ नागरिक, 81 वर्षीय डॉ. सुलभा कोरान्ने ने ₹कलनुसार बदल्ली सासु₹ नामक एक नाटक प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का संचालन मंडल की अध्यक्ष परीजा फातरपेकर ने किया। सभी प्रतिभागियों को उपहार दिए गए और गुरुओं का पुष्पगुच्छों से अभिनंदन किया गया।

दूसरे दिन शाम की आरती के बाद अनामिका गौतम द्वारा निर्देशित ₹रामायण की महिलाएँ₹ नामक एक नाटक का मंचन हुआ, जिसमें महिला पात्रों ने आपस में संवाद किया और एक रोचक वार्तालाप भी शुरू किया जिसमें उनके भाग्य, धर्म और कर्तव्य पर प्रश्न उठाए गए। दर्शकों ने गहरी रुचि के साथ इसे सुना और इसका प्रभाव इतना प्रभावशाली था कि नाटक ने रामायण की महिला पात्रों के बारे में गहरी भावनाएँ जगा दीं। सभी कलाकारों और निर्देशक को पुष्पगुच्छ और उपहार दिए गए।

तीसरे दिन की आरती के बाद ₹स्वरधारा₹ नामक सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम हुआ, जिसमें मंडल के कुछ प्रतिभाशाली सदस्यों ने भजन

और अन्य गीत गाए। कार्यक्रम का संचालन संगीता शास्त्री ने किया, जो स्वयं एक प्रतिभाशाली गायिका हैं। यह मनमोहक और मधुर संध्या दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय रही। ध्वनि प्रणाली अभिजीत गोडबोले द्वारा प्रायोजित थी। सभी गायकों को फूल और उपहार दिए गए।

चौथे और अंतिम दिन, योगेश गर्ग और उनकी पत्नी द्वारा सत्यनारायण पूजा की गई और आरती के बाद अंताक्षरी का कार्यक्रम हुआ जिसमें सभी भक्तों ने भाग लिया। रिद्धि और सिद्धि के दो समूह बनाए गए और उन्होंने एक-दूसरे के साथ गीतों को पहचानने और उन्हें गाने की प्रतिस्पर्धा भी की। टीमों के बीच खूब हँसी-मज़ाक और दोस्ताना व्यवहार हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन मंडल उपाध्यक्ष निखिल खोत, सचिव संदीप पाठक और दिशा श्रेयस भोकरे ने किया। इसके बाद एक भव्य महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसका सभी भक्तों ने आनंद लिया।

उसी दिन मूर्ति की उत्तर पूजा और विसर्जन पर्यावरण के अनुकूल तरीके से किया गया। आरती के बाद बप्पा की मूर्ति को एक स्टील के टब में विसर्जित किया गया और रात भर रखा गया। फिर मंडल के पदाधिकारियों द्वारा मूर्ति की मिट्टी को मयूर विहार के आसपास के पेड़ों में डाल दिया गया। इस प्रकार मंडल ने जल निकायों को प्रदूषित न करने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी की और यह सुनिश्चित किया कि प्राकृतिक मिट्टी वापस प्रकृति में मिल जाए।

मंडल अपने प्रायोजकों मराठी जागरण, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, लोकमान्य, डी क्ले एम्पोरियम और कृष्णा संस ज्वैलर्स का आभारी है। मंडल गर्ग सेलिब्रेशन्स के स्वामी योगेश गर्ग को भी उनके अपार सहयोग और प्रत्येक दिन स्वादिष्ट भोजन समय पर उपलब्ध कराने तथा कार्यक्रमों के लिए कुछ उपहार प्रायोजित करने के लिए विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता है। चार दिवसीय गणेश उत्सव भक्तों की अच्छी भागीदारी के साथ एक बड़ी सफलता रही। मंडल गणेश उत्सव 2025 को एक भव्य सफलता बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों, समन्वयकों, प्रायोजकों, पुजारी पंडित कृष्णकांत मिश्रा और भक्तों का आभार व्यक्त करता है।

रिटायर्ड बैंक मैनेजर की पत्नी की मौत का मामला : जैसे पहले से ही तय था स्थान

सुनील बाजपेई

कानपुर। संसार में जन्म की तरह संबंधित की मृत्यु का भी समय और स्थान भी तय होता है। इस आध्यात्मिक कथन का संबंध एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर की पत्नी से है ,जिसकी मृत्यु पड़ोसी की छत से गिरकर हुई। उस समय वह अपनी बीमार मां को देखने के लिए अपने छोटे भाई के घर आई हुई थी। घटना के बारे में प्राप्त जानकारी के मुताबिक .बैंक ऑफ़ बड़ौदा से मैनेजर के पद से रिटायर लखनऊ के आशियाना बी ब्लाक निवासी सुरेश कुमार सेठी के परिवार में उनकी पत्नी स्मिता, बेटी चारू और बेटा शिवांशु हैं। चारू विदेश में रहती हैं, जबकि शिवांशु नोएडा में नौकरी करते हैं। चार दिन पहले स्मिता बीमार मां कैलाशरानी अरोड़ा को देखने गोविंदनगर के सात ब्लाक में रहने वाले शीशा कारोबारी छोटे भाई मनोज अरोड़ा के घर आई थीं मौके पर पहुंची पुलिस को बताया गया कि स्मिता के बुलाने पर बुधवार को प्रयागराज के दरभंगा कालोनी में रहने वाली छोटी बहन डिंपल ढल भी मां को देखने आई थीं। भाई मनोज ने बताया कि सुबह वह ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दुकान चले गए थे। घर पर बीमार मां के अलावा दोनों बहनें और पत्नी अलका घर पर थीं। दोपहर में छोटी बहन और पत्नी बाजार गई थीं। पुलिस ने बताया कि लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की छानबीन की जा रही है।

भारत का जीएसटी सुधार 2025 -टैक्स ढांचे का पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

भारत का जीएसटी सुधार 2025 सिर्फ एक वित्तीय पहल नहीं बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्संरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन आसान होगा।यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है ?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है।

साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब पर केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट-0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो,नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं। (1)डेयरी प्रोडक्ट्स : दूध, पनीर, दही, घी और पोषण संबंधी उत्पादों पर टैक्स संरचना सरल होने से कीमतें स्थिर रहेंगी। इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। (2)बीमा क्षेत्र- स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर बीमा प्रीमियम पर 0पर्सेंट टैक्स लागू होने से उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम लागत कम हो सकती है। इससे जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी बढ़ेगी। (3)निर्माण और आवास-घर बनाने के लिए आवश्यक सीमेंट, स्टील, टाइल्स और सेवाओं पर कर भार कम होने से घर की लागत घटेगी। यह मध्यम वर्ग और रियल एस्टेट उद्योग दोनों के लिए लाभकारी है (4) इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र,मोबाइल, लैपटॉप और घरेलू उपकरणों की कीमतें स्थिर होने से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। (5) मेडिकल और पोषण क्षेत्र :जीवन रक्षक दवाओं को 0% स्लैब और अन्य चिकित्सा उपकरणों को 5 पर्सेंट-18 पर्सेंट स्लैब में रखने से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।(6) एमएसएमई और बड़े उद्योग- सरल टैक्स स्लैब से छोटे और मझोले उद्योगों को अनुपालन लागत कम होगी, जबकि बड़े उद्योगों को उत्पादन और निर्यात बढ़ाने में बहुत विशाल सहूलियत होगी।

साथियों बात अगर हम जीएसटी रिफॉर्म करने का सरकार का मकसद और आम आदमी का फायदा होने की करें तो,जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा मकसद है, (1) गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देना। नई दरों से- गरीब तबके को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब से सस्ते में भोजन और दवाइयां मिलेंगी, (2) घर बनाने वालों को कम खर्च आएगा,(3) बीमा सस्ता होगा, (4) स्वास्थ्य सेवाएं किफायती होंगी, (5) छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी,(6) और महंगाई का दबाव घटेगासरकार यह संदेश देना चाहती है कि टैक्स नीति सिर्फ राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा का भी सशक्त औजार है।

साथियों बात अगर हम टैक्स के स्लैब में परिवर्तन करने से क़रीब 85000 करोड़ का घाटा और भरपाई के उपायों को समझने की करें तो, सरकार का अनुमान है कि दरें घटाने और कई वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डालने से उसे लगभग 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन इसकी भरपाई के लिए बड़े उपाय किए गए हैं, 40 पर्सेंट स्लिप से रिकवरी-टैक्स अनुपालन बढ़ने, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से टैक्स चोरी में कमी आएगी और इससे राजस्व की बड़ी मात्रा में भरपाई होगी।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी टैरिफ और भारत की रणनीति को समझने की करें तो, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के खिलाफ टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए हैं। इस पृष्ठभूमि में जीएसटी सुधार भारत की आंतरिक ताकत को बढ़ाने का जरिया है। (1) सरल टैक्स ढांचा विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगा। (2) घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाएगा।(3)निर्यात लागत कम होने से अमेरिका और यूरोप के टैरिफ का दबाव कम महसूस होगा।यह सुधार संकेत देता है कि भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

साथियों बातें अगर हम जीएसटी सुधारो के पीछे संभव होता है राजनीतिक विमर्श,राहत या सियासत? की करें तो, जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तब सरकार ने इसे "वन नेशन, वन टैक्स" कहकर ऐतिहासिक बताया था और तर्क दिया था कि उच्च दरें राजस्व जुटाने के लिए जरूरी हैं। अब 2025 में दरें घटाने पर वही सरकार कह रही है कि, इससे उपभोक्ताओं को राहत और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। अब सवाल उठता है, क्या यह आर्थिक विवशता है या राजनीतिक रणनीति ?दरअसल, यह दोनों का मिश्रण है। वैश्विक मंदी, अमेरिकी दबाव और घरेलू महंगाई ने सरकार को दरें घटाने पर मजबूर किया। साथ ही, यह कदम गरीबों, मध्यम वर्ग और छोटे उद्योगों को चुनावी वर्ष में राहत देने की रणनीति भी हो सकता है।

साथियों बात अगर हम जीएसटी सुधारो को सामाजिक दृष्टिकोण, जैसे घर के बड़े समझाते हैं थ्योरी को समझने की करें तो, अगर इस सुधार को सामाजिक रूप से समझा जाए तो यह बिल्कुल वैसा है जैसे घर के बड़े सदस्य बच्चों को जीवन जीने का तरीका बताते हैं (1) "भोजन और स्वास्थ्य सबसे पहले"-इसलिए खाद्यान्न और दवाइयां 0% स्लैब में।(2)"स्वास्थ्य का ध्यान रखो"- इसलिए मेडिकल और बीमा क्षेत्र सस्ता।(3)"घर बनाओ" -इसलिए कंस्ट्रक्शन सेक्टर को राहत।(4)"बच्चों की पढ़ाई जरूरी है"-इसलिए शिक्षा सेवाएं किफायती (5)"फालतू दिखावा मत करो"-इसलिए लक्जरी सामान पर टैक्स ऊंचा रखा गया।यह सुधार दर्शाता है कि सरकार टैक्स नीति को सिर्फ राजस्व का औजार नहीं, बल्कि समाज के कल्याण का ढांचा मानकर आगे बढ़ रही है।

साथियों बात अगर हम इन जीएसटी सुधारो को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के रूप में समझने की करें तो,विश्व अर्थव्यवस्था आज दो ध्रुवों में बंटी हुई है,अमेरिकी प्रभुत्व और एशियाई उभार। ऐसे समय में भारत का टैक्स सुधार एक सॉफ्ट पावर मॉडल के रूप में सामने आ रहा है।(1) यूरोप ने भी 2008 मंदी के बाद टैक्स स्लैब घटाकर अर्थव्यवस्था को स्थिर किया था। (2) चीन ने निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स दरें लचीली बनाई थीं।(3) भारत अब उसी राह पर चल रहा है।इससे भारत की छवि निवेश के लिए सुरक्षित और आकर्षक गंतव्य के रूप में मजबूत होगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत का जीएसटी सुधार 2025 सिर्फ एक वित्तीय पहल नहीं बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक है। यह सुधार भारत को न केवल घरेलू स्तर पर महंगाई से राहत दिलाएगा बल्कि वैश्विक मंच पर उसे और मजबूती से खड़ा करेगा।

मारुति सुजुकी करेगी सितंबर में नई एसयूवी लॉन्च, मिली डिजाइन की जानकारी....

Maruti SUV देश की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल मारुति सुजुकी की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। निर्माता की ओर से जल्द ही नई एसयूवी को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। इस एसयूवी को कब लॉन्च किया जाएगा। किस तरह के फीचर्स और तकनीक को दिया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री करने वाली प्रमुख निर्माता मारुति सुजुकी की ओर से जल्द ही नई एसयूवी को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता कब और किस तरह की खासियत के साथ नई एसयूवी को लॉन्च करेगी। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

मारुति करेगी नई एसयूवी लॉन्च

प्रमुख वाहन निर्माता मारुति सुजुकी ओर से जल्द ही नई एसयूवी को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से अभी गाड़ी के नाम और फीचर्स के साथ किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में लॉन्च किया जाएगा।

किस नाम से आ सकती है

मारुति की ओर से अभी इसकी जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि नई एसयूवी को Maruti Escudo नाम से लॉन्च किया जाएगा। इस एसयूवी को मारुति एरिना डीलरशिप के जरिए ऑफर किया जाएगा।

कितना दमदार इंजन

रिपोर्ट्स के मुताबिक नई एसयूवी में 1.5 लीटर की क्षमता का पेट्रोल इंजन दिया जाएगा। इसके अलावा इसमें हाइब्रिड तकनीक को भी दिया जा सकता है। 1.5 लीटर की क्षमता के इंजन से एसयूवी को 101 बीएचपी की पावर और 139 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा।

मिलेंगे बेहतरीन फीचर्स

मारुति अपनी नई एसयूवी को भी कई बेहतरीन फीचर्स के साथ ऑफर करेगी। इसमें एलईडी लाइट्स, हेड्स-अप डिस्प्ले, वेंटिलेटिड सीट्स, डार्क इंटीरियर, सनरूफ, छह एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, आइसोफिक्स चाइल्ड एंकेरज, हिल असिस्ट जैसे कई फीचर्स दिए जा सकते हैं।

कितनी होगी कीमत

जानकारी के मुताबिक मारुति की नई एसयूवी को 10 से 12 लाख रुपये एक्स शोरूम कीमत के आस पास लॉन्च किया जा सकता है। नई एसयूवी मारुति की ग्रैंड विटारा के नीचे और ब्रेजा के ऊपर पोजिशन की जाएगी।

किनसे होगा मुकाबला

मारुति की नई एसयूवी को मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में ऑफर किया जाएगा। इस सेगमेंट में एसयूवी का सीधा मुकाबला Maruti Grand Vitara, Hyundai Urban Cruiser Hyryder, Hyundai Creta, Kia Seltos, Honda Elevate जैसी एसयूवी के साथ होगा।

टीवीएस NTorq 150 भारत में लॉन्च के लिए है तैयार, दमदार इंजन के साथ मिलेंगे बेहतरीन फीचर्स, कितनी होगी कीमत

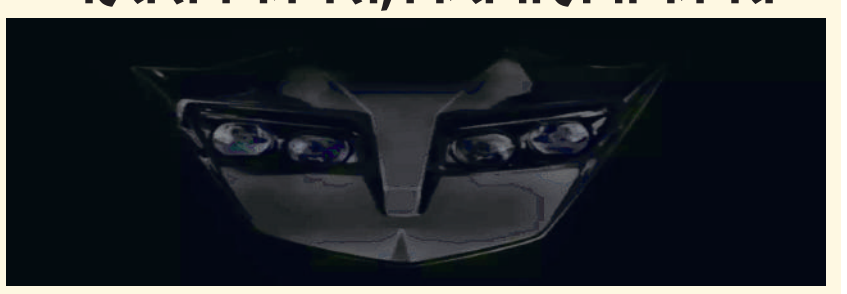

TVS NTorq 150 देश की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल टीवीएस मोटर्स की ओर से जल्द ही एक और स्कूटर को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से किस सेगमेंट में किस तरह के फीचर्स और इंजन के साथ इसे लॉन्च किया जाएगा। किस कीमत पर इसे लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नईदिल्ली। भारत में एंट्री लेवल स्कूटर्स के साथ ही प्रीमियम सेगमेंट वाले स्कूटर्स को भी काफी पसंद किया जा रहा है। जिसे देखते हुए अब प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता टीवीएस की ओर से भी नए स्कूटर को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। टीवीएस कब और किस सेगमेंट में नए स्कूटर को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसकी संभावित कीमत क्या हो सकती है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च होगा नया स्कूटर

टीवीएस की ओर से भारत में जल्द ही एक और स्कूटर को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से इस स्कूटर को प्रीमियम सेगमेंट में लॉन्च किया जाएगा।

कौन सा स्कूटर होगा लॉन्च

जानकारी के मुताबिक टीवीएस की ओर से TVS NTorq 150 को चार सितंबर को भारत में औपचारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा।

कैसे होंगे फीचर्स और इंजन

लॉन्च के समय ही इसके इंजन और फीचर्स के साथ कीमत की सही जानकारी दी जाएगी। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसमें 150 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया जाएगा। जिसके साथ ही इसमें क्वाड एलईडी हेडलाइट्स, एलईडी डीआरएल, एलईडी टेल लाइट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, 14 इंच बड़े अलॉय व्हील्स के साथ पहिए, एबीएस, टर्न बाय टर्न नेविगेशन सिस्टम, इंजन स्टॉर्ट/स्टॉप, हजार्ड लाइट्स जैसे कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जा सकता है।

ब्रिक्सटन क्रॉसफायर 500XC की कीमत 27 हजार घटी, पावरफुल इंजन और दमदार फीचर्स से है लैस

ब्रिक्सटन मोटरसाइकल्स ने अपनी फ्लैगशिप स्क्रैंबलर Brixton Crossfire 500XC की कीमतों में 27499 रुपये की कटौती की है जिससे इसकी एक्स-शोरूम कीमत 492000 रुपये हो गई है। 486cc इंजन KYB सस्पेंशन और BOSCH ABS जैसे फीचर्स के साथ यह बाइक स्टाइल और परफॉर्मेंस का मिश्रण है। यह कोल्हापुर में स्थानीय रूप से असेंबल की गई है और ऑफ-रोड और शहरी सड़कों के लिए उपयुक्त है।

नई दिल्ली। ब्रिक्सटन मोटरसाइकल्स ने अपनी फ्लैगशिप स्क्रैंबलर Brixton Crossfire 500XC की कीमतों में कटौती की है। इस कदम से यह एडवेंचर-रेडी मशीन भारत में बाइक चलाने वालों के लिए एक और भी आकर्षक ऑप्शन बन गई है। इसकी कीमत में कमी करने के अलावा बाकि किसी और चीज में बदलाव नहीं किया गया है। आइए इसकी नई कीमत और मिलने वाले फीचर्क के बारे में विस्तार में जानते हैं।

Brixton Crossfire 500XC की नई कीमत

ब्रिक्सटन क्रॉसफायर 500XC को पहले 5,19,499 रुपये की एक्स-शोरूम कीमत में ऑफर किया जाता था। अब इसकी कीमत में 27,499 रुपये की कटौती की गई है। इसके बाद अब इसे भारत में 4,92,000 रुपये की एक्स-शोरूम कीमत में ऑफर किया जा रहा है। इस बाइक को उन राइडर्स को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो स्टाइल और परफॉर्मेंस दोनों की मांग करते हैं। ऑस्ट्रियाई इंजीनियरिंग के प्रभाव के साथ एक ग्लोबल स्क्रैंबलर के रूप में इसे डिजाइन किया गया है और कोल्हापुर में स्थानीय रूप से असेंबल की गई, 500XC एक ऐसी मोटरसाइकिल है जो मजबूत परफॉर्मेंस को आकर्षक डिजाइन के साथ मिलाती है।

Brixton Crossfire 500XC के फीचर्स

ब्रिक्सटन क्रॉसफायर 500 XC एक मजबूत और बहुमुखी स्क्रैंबलर है। इसमें 486cc लिक्विड-कूल्ड, दो-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। यह इंजन 47 hp की पावर और 43 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें KYB एडजस्टेबल सस्पेंशन, BOSCH ABS, J. J. Juan डिस्क ब्रेक और Pirelli Scorpion Rally STR टायरों के साथ, यह ऑफ-रोड रास्तों और शहर की सड़कों दोनों को आसानी से संभालने के लिए बनाई गई है। इसमें 13.5L का फ्यूल टैंक, 195 kg का कर्ब वेट और 839 mm की सीट की ऊंचाई है, जो आराम और स्थिरता सुनिश्चित करती है। इसका डेजर्ट गोल्ड मैट फिनिश और सिग्नेचर एक्स-आकार का फ्यूल टैंक डिज़ाइन इसे ब्रिक्सटन की खास पहचान देते हैं।

टाटा विंगर प्लस हुई लॉन्च, 9 सीटर में मिलेगा ज्यादा आराम और शानदार फीचर्स, कितनी है कीमत?

भारत में निजी वाहनों के साथ ही कमर्शियल वाहन सेगमेंट की भी काफी मांग रहती है। टाटा की ओर से इस सेगमेंट में नए वाहन के तौर पर टाटा विंगर प्लस को लॉन्च किया गया है। इसमें किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं। कितना दमदार इंजन दिया गया है। किस कीमत पर इसे लॉन्च किया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल टाटा मोटर्स की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। निर्माता की ओर से यात्री वाहन सेगमेंट के साथ ही कमर्शियल सेगमेंट में भी कई विकल्प ऑफर किए जाते हैं। टाटा की ओर से हाल में ही कमर्शियल यात्री वाहन सेगमेंट में Tata Winger Plus को लॉन्च किया गया है। इसमें किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं। कितना दमदार इंजन दिया गया है। इसे किस कीमत पर लॉन्च किया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Tata Winger Plus लॉन्च

टाटा की ओर से विंगर प्लस को कमर्शियल यात्री वाहन सेगमेंट में लॉन्च किया गया है। निर्माता की ओर से इसे पर्यटकों और कर्मचारियों के परिवहन को आरामदायक बनाने के लिए लॉन्च किया है। इस वाहन को मोनोकॉक चेसिस पर बनाया गया है जिससे यह काफी सुरक्षित और स्थिरता देता है।

क्या है खासियत

Tata Winger Plus में निर्माता की ओर से नौ सीटों को दिया गया है। जिसके साथ ही इसमें एडजस्टेबल आर्मरेस्ट, रिक्लाइनिंग कैप्टन सीटें, व्यक्तिगत यूएसबी चार्जिंग पॉइंट, व्यक्तिगत एसी वेंट और पर्याप्त लेग स्पेस को दिया गया है।

कितना दमदार इंजन

निर्माता की ओर से इसमें 2.2 लीटर की क्षमता का डाइकोर डीजल इंजन दिया गया है। जिससे इस वाहन को 100 हॉर्स पावर और 200 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है।

अधिकारियों ने कही यह बात

टाटा मोटर्स में कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट आनंद एस ने कहा कि विंगर प्लस को यात्रियों को एक बेहतरीन अनुभव और फ्लीट ऑपरेटरों के लिए एक आकर्षक मूल्य प्रस्ताव देने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है। अपनी बेहतरीन राइड कम्फर्ट, अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कम्फर्ट फीचर्स और सेगमेंट में अग्रणी दक्षता के साथ, इसे स्वामित्व की सबसे कम लागत प्रदान करते हुए लाभप्रदता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भारत का यात्री गतिशीलता परिदृश्य तेज़ी से विकसित हो रहा है—शहरी केंद्रों में कर्मचारियों के परिवहन से लेकर देश भर में पर्यटन की बढ़ती माँग तक। विंगर प्लस को इस विविधता को पूरा करने के लिए बनाया गया है, जो कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर रहा है।

कितनी है कीमत

टाटा की ओर से लॉन्च किए गए Tata Winger Plus को भारत में 20.60 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है।

मारुति ग्रैंड विटारा को मिले नए शानदार कलर, सिग्मा और डेल्टा वेरिएंट्स में मिलेंगे ये ऑप्शन

मारुति ग्रैंड विटारा के सिग्मा डेल्टा और डेल्टा+ वेरिएंट्स में नए रंग विकल्प पेश किए हैं। सिग्मा वेरिएंट में अब नेक्सा ब्लू ग्रैंड्योर ग्रे और पर्ल मिडनाइट ब्लैक रंग भी मिलेंगे जो पहले केवल आर्कटिक व्हाइट में उपलब्ध था। डेल्टा और डेल्टा+ वेरिएंट्स में पर्ल मिडनाइट ब्लैक रंग जोड़ा गया है। इन नए कलर वेरिएंट्स की बुकिंग 21 अगस्त से शुरू हो चुकी है।

नई दिल्ली। मारुति ने हाल ही में Nexa की 10वीं सालगिरह के सेलेब्रेशन के रूप में Maruti Grand Vitara का फैंटम ब्लैक एडिशन लॉन्च किया था। अब कंपनी ने Maruti Grand Vitara के Sigma, Delta और Delta+ वेरिएंट में नए कलर ऑप्शन को लेकर आया गया है। इन कलर ऑप्शन को लेकर इसके लिए और भी स्कीम को बढ़ा दिया गया है। इन नए कलर वेरिएंट्स की बुकिंग 21 अगस्त से शुरू हो गई है।

Grand Vitara के नए कलर

ग्रैंड विटारा के बेस सिग्मा वेरिएंट में तीन नए कलर ऑप्शन को सामिल किया गया है। यह तीनों मोनोटोन कलर हैं, जो नेक्सा ब्लू, ग्रैंड्योर ग्रे और पर्ल मिडनाइट ब्लैक है। पहले सिग्मा वेरिएंट को केवल केवल आर्कटिक व्हाइट ऑप्शन में ऑफर किया जाता था। अब इसे कुल चार कलर ऑप्शन में ऑफर किया जाएगा।

डेल्टा और डेल्टा प्लस वेरिएंट्स में पर्ल मिडनाइट ब्लैक को एक नए कलर ऑप्शन को शामिल किया गया है। इसके अलावा बाकी वेरिएंट के साथ डेल्टा और डेल्टा प्लस वेरिएंट्स में अब कुल सात कलर ऑप्शन हो गए हैं। पहले Grand Vitara को नेक्सा ब्लू, स्प्लेंडिड सिल्वर, ओपुलेंट रेड, ग्रैंड्योर ग्रे, आर्कटिक व्हाइट और चेस्टनट ब्राउन कलर ऑप्शन में पेश किया जाता था।

कब से शुरू होगी डिलीवरी?

Maruti Grand Vitara के नए कलर वेरिएंट की डिलीवरी की तारीख की भी घोषणा भी कर दी गई है। डेल्टा वेरिएंट के लिए नया ब्लैक कलर अगस्त 2025 के अंत तक उपलब्ध होगा। सिग्मा वेरिएंट के लिए नए कलर सितंबर के मध्य से उपलब्ध होंगे। डुअल-टोन ऑप्शन कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में काफी लोकप्रिय हैं, क्योंकि वे गाड़ी को स्पोर्टी लुक देते हैं। ग्रैंड विटारा में आर्कटिक व्हाइट के साथ ब्लैक, स्प्लेंडिड सिल्वर के साथ ब्लैक और ओपुलेंट रेड के साथ ब्लैक जैसे डुअल-टोन ऑप्शन मिलते हैं।

कितनी है कीमत?

Maruti Grand Vitara के नए कलर ऑप्शन की कीमत में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। इसके सिग्मा MT वेरिएंट की शुरुआती कीमत 11.42 लाख रुपये है। डेल्टा MT और डेल्टा AT की कीमत क्रमशः 12.53 लाख रुपये और 13.93 लाख रुपये है। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड ऑप्शन वाला डेल्टा प्लस वेरिएंट 16.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है, जो मारुति ग्रैंड विटारा का सबसे किफायती स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट है।

हुंडई एक्सटर प्रो पैक वेरिएंट लॉन्च, नया कलर ऑप्शन समेत मिले शानदार फीचर्स

हुंडई ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी Hyundai Exter Pro Pack को नए कॉस्मेटिक बदलावों डैशकैम और नए रंग विकल्प के साथ लॉन्च किया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.98 लाख रुपये है। एक्सटर प्रो पैक में व्हील आर्च क्लैडिंग और एक नई साइड सिल गार्निश दी गई है। इसमें टाइटैन ग्रे मैट एक्सटीरियर रंग विकल्प भी मिलता है। SX(O) AMT वेरिएंट में डैशकैम भी मिलेगा।

नई दिल्ली। हुंडई ने अपनी पॉपुलर SUV Hyundai Exter Pro Pack को लॉन्च किया है। इस प्रो पैक में कुछ कॉस्मेटिक बदलाव, डैशकैम और एक नया कलर ऑप्शन के साथ लेकर आया गया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.98 लाख रुपये है। आइए जानते हैं कि इसे और किन फीचर्स के साथ लॉन्च किया है?

Exter Pro Pack में क्या है नया?

एक्सटर पर नया प्रो पैक इसके रग्ड लुक को और बढ़ाता है। इसमें अधिक प्रमुख व्हील आर्च क्लैडिंग और एक नई साइड सिल गार्निश दी गई है। हुंडई ने प्रो पैक के साथ एक नया टाइटैन ग्रे मैट एक्सटीरियर कलर ऑप्शन भी पेश किया है।

इसमें दिए गए फीचर्स की बात करें, तो SX(O) AMT वेरिएंट में अब डैशकैम भी मिलेगा। पहले यह केवल SX Tech और SX Connect वेरिएंट में दिया जाता था।

बेस वेरिएंट से 5,000 रुपये महंगी

Hyundai Exter Pro Pack वेरिएंट को S+ वेरिएंट और उससे ऊपर के वेरिएंट्स में उपलब्ध है। इसका मतलब है कि बेस EX, EX(O), S स्मार्ट और S वेरिएंट्स में ये एक्सेसरीज नहीं मिलेगी, जो इसमें दी जा रही है। वहीं, रेगुलर S+ मैनुअल वेरिएंट की कीमत 7.93 लाख रुपये से शुरू होती है, जिसका मतलब है कि प्रो पैक की कीमत बेस वेरिएंट से 5,000 रुपये ज्यादा है।

Hyundai Exter Pro Pack का इंजन

इस कॉम्पैक्ट SUV में और कोई बदलाव नहीं किया गया है। Exter में दिया जाने वाला 1.2-लीटर, चार-सिलेंडर पेट्रोल इंजन का ही इस्तेमाल किया गया है। यह इंजन 83hp की पावर और 114Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स दोनों के साथ ऑफर किया जाता है। CNG स्पेसिफिकेशन में यह इंजन 69hp की पावर और 95.2Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसे केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ ऑफर किया जाता है। इसमें डुअल-सीएनजी सिलेंडर टैंक सेटअप भी मिलता है।

पंजाब बाढ़ त्रासदी

विजय गर्ग

बाढ़ प्रभावित पंजाब में भारी तबाही के चलते बड़ी मात्रा में राहत सामग्री की आवश्यकता है। भोजन की व्यवस्था हो रही है, लेकिन साफ पेयजल की भारी कमी है क्योंकि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हैं और गंदा पानी पीने से हैजा फैलने का खतरा है। रोज लाखों बोतल पानी, बिना बिजली वाले फिल्टर, बड़े आरओ, इन्वर्टर, बैटरी, मोमबत्तियां, माचिस और छोटे जनरेटर की तत्काल जरूरत है क्योंकि बिजली बहाल होने में लंबा समय लगेगा। साथ ही महामारी रोकने के लिए फिनाइल, क्लोरीन पाउडर, मच्छर मारने की दवाइयों व क्रीम की भी तुरंत आवश्यकता है।

पंजाब इस समय भीषण बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है, जहां गांव जलमग्न हो गए हैं, घर बर्बाद हो गए हैं और खेतों में फसल की जगह बालू भर गई है। यह संकट केवल पानी उतरने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य में समस्याएं और गहराएंगी।

इस समय खेती और पशुधन से संपन्न पंजाब में नदियों-नालों में आये उफान के कारण तीन लाख एकड़ से ज्यादा फसली जमीन को नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा असर धान, मक्का, सब्जियों और अन्य खरीफ फसलों पर हुआ है। सीमा से लगे गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, जालंधर, फाजिल्का, कपूरथला व आसपास के गांवों में घर, सड़क और दुकानें पानी में डूब गई हैं। अब तक करीब 2.56 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

बाढ़ प्रभावित पंजाब में भारी तबाही के चलते बड़ी मात्रा में राहत सामग्री की आवश्यकता है। भोजन की व्यवस्था हो रही है, लेकिन साफ पेयजल की भारी कमी है क्योंकि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हैं और गंदा पानी पीने से हैजा फैलने का खतरा है। रोज लाखों बोतल पानी, बिना बिजली वाले फिल्टर, बड़े आरओ, इन्वर्टर, बैटरी, मोमबत्तियां, माचिस और छोटे जनरेटर की तत्काल जरूरत है क्योंकि बिजली बहाल होने में लंबा समय लगेगा। साथ ही महामारी रोकने के लिए फिनाइल, क्लोरीन पाउडर, मच्छर मारने की दवाइयों व क्रीम की भी तुरंत आवश्यकता है।

बारिश थमने के बाद सबसे बड़ी चुनौती होगी बाढ़ग्रस्त इलाकों से पानी, कीचड़, मलबा और मरे जानवरों का निस्तारण करना। इसके लिए बड़े पंप, जेसीबी, डंपर, ईंधन, सफाई उपकरण व सुरक्षात्मक सामान की तत्काल जरूरत है। सरकारी तंत्र के पास इतनी मशीनरी तुरंत उपलब्ध नहीं होती, इसलिए समाज के लोगों को चाहिए

कि वे ऐसे उपकरण राज्य सरकार को भेंट करें, ताकि पुनर्वास कार्य तेजी और प्रभावी ढंग से हो सके।

राहत कार्यों में बड़ी व्यवस्थाओं के साथ-साथ पीड़ित आम लोगों की व्यक्तिगत जरूरतों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। मधुमेह, ब्लडप्रेशर, थायराइड जैसे रोगियों को नियमित दवाएं चाहिए, जो बाढ़ में नष्ट हो चुकी हैं। मानसिक तनाव और सीमित राहत सुविधाओं से अव्यवस्थित लोग बढ़ रहे हैं। ऐसे में दवाइयां, पेयजल, डेटॉल, फिनाइल, क्लोरिन टैबलेट्स, संक्रमण व बुखार की दवाएं, ग्लूकोज, सेलाइन जैसी चीजें तत्काल आवश्यक हैं। पुराने कपड़े या अनाज जैसी चीजें फिलहाल उपयोगी नहीं होंगी

संपन्न लोगों को आगे बढ़कर पुनर्निर्माण में योगदान देना होगा—जैसे दूरदराज के गांवों के लिए सीमेंट, लोहा जैसी निर्माण सामग्री भेजना। करीब ढाई लाख लोग पूरी तरह बेघर हो गए हैं, बाजार-वाहन तबाह हो चुके हैं। ऐसे में बीमा दावों का त्वरित और सही निपटारा बड़ी राहत हो सकता है। लेकिन राज्य मशीनरी खुद संभलने में व्यस्त है, इसलिए शिक्षित स्वयंसेवकों की जरूरत है जो नुकसान का सही आकलन कर, बीमा कंपनियों पर भुगतान के लिए दबाव बना सकें और सरकार की योजनाओं का लाभ प्रभावितों तक पहुंचा सकें

बाढ़ के बाद जीवन को फिर से पटरी पर लाने में सबसे बड़ी बाधा होगी, सरकारी राहत पाने की प्रक्रिया, क्योंकि पैसा उन्हीं के खातों में आएगा जिनके पास आधार कार्ड है। जिनका सब कुछ बाढ़ में बह गया, उनके पास पहचान पत्र भी नहीं बचे। ऐसे में राहत की रकम देर से मिलना व्यर्थ होगा। इस स्थिति में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की जरूरत है, जो दूर शहरों में बैठकर प्रभावितों के आधार जैसे दस्तावेज़ ऑनलाइन निकालकर उन तक पहुंचा सकें, ताकि समय पर उन्हें मदद मिल सके।

हालात कुछ सुधरने पर शिक्षा की जरूरत सामने आएगी, लेकिन तब तक दो लाख से अधिक बच्चों के स्कूल, बस्ते, किताबें सब कुछ बाढ़ में बह चुके होंगे। ऐसे में यदि हर घर से त्योहारों के तोहफों के रूप में एक-एक बच्चे के लिए बस्ता, किताबें, स्टेशनरी, टिफिन बॉक्स और पानी की बोतल भेजी जाए तो पंजाब के भविष्य को संवारने में मदद मिलेगी। पाठ्यपुस्तकों की पुनः छपाई, फर्नीचर व ब्लैकबोर्ड की व्यवस्था, और बच्चों के पोषण के लिए बिस्किट व सूखे मेवे जैसे सुरक्षित खाद्य पदार्थों की भी तत्काल आवश्यकता है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर संस्थागत और व्यक्तिगत प्रयास जरूरी हैं।

यदि आवश्यकतानुसार मदद न मिले तो यह समय व संसाधन का नुकसान ही है। आज तक इस बात पर कोई दिशा-निर्देश बनाए ही नहीं गए कि आपदा की स्थिति में किस तरह की तात्कालिक तथा दीर्घकालिक सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे संकट के समय में एक सच्चा नागरिक वही है, जो अपने संकटग्रस्त देशवासियों के साथ खड़ा होता है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजा

उम्मीदों की चिप

(भारत चला आत्मनिर्भर-तरक्की की राह)

विजय गर्ग

भारत ने टेक क्रांति की तरफ बढ़ते हुए पहला पूर्णत: स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित कर लिया है। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब इस कामयाबी की साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। जिनमें से एक पंजाब के मोहाली में स्थित है। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी।

हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। यहां तक कि छोटा-सा देश ताइवान दुनिया के लगभग साठ फीसदी से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन कर रहा है। जिसमें करीब नब्बे फीसदी उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं। दरअसल, कोविड संकट के बाद आधुनिक तकनीक व उन्नत उपकरणों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर होड़ पैदा हो गई है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार पचास फीसदी पूंजीगत सहायता दे रही है। वहीं राज्य सरकारें कुल परियोजना लागत का बीस फीसदी प्रोत्साहन दे रही हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि सरकार इस मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी डीएलआई योजना के अगले फेज पर काम कर रही है। निश्चित रूप से केंद्र के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है।

आपको अपनी कार में छोड़ी गई पानी की बोतल से कभी क्यों नहीं पानी पीना चाहिए

विजय गर्ग

एक गर्म कार में प्लास्टिक की पानी की बोतल को छोड़ना दो मुख्य कारणों से पीने के लिए असुरक्षित बना सकता हैः रासायनिक लीचिंग और बैक्टीरियल विकास। 1.। रासायनिक लीचिंग प्लास्टिक की पानी की बोतलें, विशेष रूप से एकल-उपयोग वाले, अक्सर पॉलीथीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) से बनाई जाती हैं। उच्च तापमान के संपर्क में आने पर, जैसे कि धूप के दिन कार में पाए जाने वाले, प्लास्टिक टूट सकता है और रसायनों को पानी में छोड़ सकता है। इन रसायनों में शामिल हैंः

सुरमाः एक विषाक्त भारी धातु।

बिस्फेनॉल ए (बीपीए): एक औद्योगिक रसायन जो हार्मोनल व्यवधान, बांझपन और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी स्वास्थ्य चिंताओं से जुड़ा हुआ है। जबकि कई बोतलों को अब ₹बीपीए-फ्री₹ लेबल किया गया है, अन्य समान रसायन अभी भी मौजूद हो सकते हैं।

Phthalatesः इन रसायनों का उपयोग प्लास्टिक को अधिक लचीला बनाने के लिए किया जाता है और स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ भी जुड़ा हुआ है। जबकि इन रसायनों का स्तर अक्सर नियामक सीमा से नीचे होता है, बार-बार जोखिम और लंबे समय तक गर्म होने से एकाग्रता बढ़ सकती है। 2. बैक्टीरियल ग्रोथ यह एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है, खासकर अगर बोतल खोली गई है। एक बार जब आप एक घूंट ले लेते हैं, तो आपके मुंह से बैक्टीरिया को पानी में पेश किया जाता है। एक गर्म कार इन बैक्टीरिया को तेजी से गुणा करने के लिए एक आदर्श, गर्म और नम वातावरण बनाती है। इससे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मुद्दे या अन्य संक्रमण हो सकते हैं। अन्य विचार

स्वाद और गुणवत्ताः गर्मी पानी के स्वाद को बदल सकती है, जिससे यह ₹प्लास्टिकी₹ या बासी स्वाद दे सकती है। यह अक्सर एक संकेत है कि रासायनिक संरचना बदल गई है।

माइक्रोप्लास्टिकः समय के साथ, गर्मी और पर्यावरणीय कारक प्लास्टिक को छोटे कणों में तोड़ने का कारण बन सकते हैं, जो पानी को दूषित कर सकते हैं। इन कारणों से, पानी की बोतल से पीने से बचना सबसे अच्छा है जिसे गर्म कार में छोड़ दिया गया है, खासकर अगर इसे खोला गया है। एक सुरक्षित और अधिक टिकाऊ विकल्प स्टेनलेस स्टील या ग्लास से बनी पुनः प्रयोज्य बोतल का उपयोग करना है, जो रासायनिक लीचिंग के लिए प्रवण नहीं हैं और साफ करने में आसान हैं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार, प्रख्यात शिक्षाविद्, गली कौर चंद मलोट मलौट पंजाब

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का महत्व

साक्षरता के लिए हमारे बुनियादी मानवाधिकारों का महत्व 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर मनाया और मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का इतिहास हालांकि पहले अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के बाद से पचास से अधिक वर्षों में साक्षरता दरों में सुधार में बहुत प्रगति हुई है, लेकिन अशिक्षा एक वैश्विक समस्या बनी हुई है। दुनिया भर में 750 मिलियन से अधिक वयस्क होने के बारे में सोचा जाता है जो पढ़ नहीं सकते। निरक्षरता का संकट संयुक्त राज्य अमेरिका सहित पृथ्वी पर कोई राष्ट्र या संस्कृति नहीं है, जहां अनुमानित 32 मिलियन अमेरिकी वयस्क अनपढ़ हैं।

क्या आप पढ़ने और लिखने की बुनियादी क्षमता के बिना आधुनिक जीवन को नेविगेट करने की कल्पना कर सकते हैं? दुनिया भर के हर स्थानीय समुदाय में अशिक्षा को मिटा देना अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस है।

1965 में ईरान के तेहरान में आयोजित ₹निरक्षरता के उन्मूलन पर शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन₹ में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की पहली कल्पना की गई थी। अगले वर्ष यूनेस्को ने नेतृत्व किया और 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रूप में घोषित किया, जिसका प्राथमिक उद्देश्य व्यक्तियों, समुदायों और समाजों के लिए साक्षरता के महत्व के अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को याद दिलाना है, और अधिक साक्षर समाजों के लिए तेज प्रयासों की आवश्यकता है। एक साल बाद, वैश्विक समुदाय ने पहले अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस में भाग लेकर अशिक्षा को समाप्त करने की चुनौती को स्वीकार किया।

दिन की परंपराएं साक्षरता एक आशीर्वाद है जिसे अक्सर लिया जाता है। हमारे दैनिक जीवन में पढ़ना आवश्यक है। पढ़ने या लिखने में सक्षम हुए बिना दुनिया के माध्यम से नेविगेट करना चुनौतीपूर्ण है और इतनी सारी चीजों का अनुभव करने के लिए एक नाकाबंदी है।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर, संगठन और व्यक्ति प्रभार लेते हैं और अपनी साक्षरता का उपयोग उन लोगों को प्रोत्साहित करने और उनकी सहायता करने के लिए करते हैं जो पढ़ने और लिखने के लिए कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। छात्रों और नियोजित लोगों को समुदाय में बच्चों को ट्यूटर करने के लिए स्वयंसेवक, किताबें उदारता से पुस्तकालयों के लिए दान कर रहे हैं, और एक छात्र ट्यूशन और सीखने के लिए अपने जीवन भर की सफलता शुरू प्रायोजित कर रहे हैं।

संस्थान और सरकार और अंतर्राष्ट्रीय संगठन जमीनी स्तर पर साक्षरता के लिए अभियान चलाते हैं, साथ ही अशिक्षा के उन्मूलन के लिए सर्वोत्तम नीतियों को रणनीति बनाने और लागू करने के लिए मेजबान थिंक टैंक और चर्चा मंच।

तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस क्यों मनाया जाता है? साक्षरता उचित सामाजिक और व्यक्तिगत मानव विकास के लिए आवश्यक है। बुनियादी साक्षरता कौशल व्यक्तियों को अपने जीवन स्तर में सुधार करके अपने जीवन को बदलने के लिए लैस करते हैं, और बदले में पूरे समुदायों के लिए जीवन स्तर में सुधार करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के संस्थापक कौन हैं? संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन, या यूनेस्को ने 1967 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस बनाया।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस गतिविधियाँ स्थानीय कक्षाओं में किताबें दान करें प्राथमिक स्कूल कक्षा पुस्तकालयों को हमेशा पढ़ने में रुचि रखने वाले युवा छात्रों को रखने के लिए ताजा पढ़ने की सामग्री की आवश्यकता होती है। अपने बच्चे के शिक्षकों से उन पुस्तकों की इच्छा सूची के लिए पूछें जो वे जानते हैं कि छात्र आनंद लेंगे और उन्हें कक्षा में दान करेंगे। यदि आपके पास स्कूल में कोई बच्चा नहीं है, तो सहकर्मियों, रिश्तेदारों या पड़ोसियों से उनके बच्चों के कक्षा पुस्तकालयों में दान करने के बारे में पूछें। आप अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर उनके नायक होंगे।

पांच कारण साक्षरता सभी के लिए महत्वपूर्ण है मस्तिष्क का स्वास्थ्य अध्ययनों से पता चलता है कि मस्तिष्क को दैनिक कसरत पढ़ना, लिखना और संख्याओं के साथ काम करना मस्तिष्क की कोशिकाओं को स्वस्थ रखता है क्योंकि हम उम्र में अल्जाइमर और मनोभ्रंश के विकास की संभावना को कम करते हैं।

सामुदायिक भागीदारी साहित्यिक कौशल की कमी सभी आयु स्तरों पर सामाजिक जुड़ाव को सीमित करती है और वयस्कों और बच्चों को पूरी तरह से भाग लेने और समाज की बेहतरी में योगदान करने में सक्षम होने से रोकती है।

प्रभावी संचार पढ़ना और लिखना सीखना मौखिक भाषा को बढ़ाकर दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने की हमारी क्षमता में सुधार करता है, जिससे हम अपनी भावनाओं, विचारों और विचारों को दूसरों के साथ अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

रोजगार उन्नति यह जानना कि संख्याओं के साथ कैसे पढ़ना, लिखना और काम करना सामाजिक-आर्थिक सीढ़ी को आगे बढ़ाने के अवसरों के साथ नौकरियों के लिए महत्वपूर्ण कौशल हैं। साक्षरता एक समय में गरीबी, एक जीवन के चक्र को तोड़ती है।

ज्ञान शक्ति है साक्षरता व्यक्तिगत सशक्तिकरण की कुंजी है और हमें व्यक्तिगत गरिमा और आत्म-मूल्य प्रदान करती है।

निरक्षरता एक समस्या है जिसे दूर किया जा सकता है कुछ समस्याएं इतनी बड़ी और भारी प्रतीत होती हैं कि उन्हें हल करना लगभग असंभव लगता है। लेकिन निरक्षरता के चक्र को रोकना एक चुनौती है जिसे हल किया जा सकता है - एक समय में एक बच्चा और एक वयस्क। यहां तक कि चार्टर स्कूलों तक पहुंच का विस्तार करने वाली सरकार जैसे दृष्टिकोण भी मदद कर सकते हैं।

विजय गर्ग

इन्दौर का गणेश विसर्जन लोक-संस्कृति का धर्म उत्सव है

हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

इन्दौर कला संस्कृति के संगम का विराट स्वरूप है जहां एक शताब्दी पुरानी परम्परा संस्कृति से गणेशोत्सव के समाजिक दायित्व निर्वहन के साथ राष्ट्र भक्ति की जो ज्योति प्रज्वलित है । ऐसे तो महाराष्ट्र में वहां आजादी से पहले स्वतंत्र वीर बालगंगाधर तिलक जी ने जलाईं थी , क्योंकि वहां चाहते थे कि बिखरें हुए इन हिन्दुस्तानीयो को एकजुट किया जाये । यहां एक उद्देश्य मील का पत्थर साबित हुआ । भारत का गणेशोत्सव जो हमारी आस्था और समृद्ध हुएं विश्वास के साथ श्रध्दा और राष्ट्रीय एकता के साथ सद्भावना की मशाल है। जो कभी भी खत्म नहीं हो सकेगा , तभी तो उसी विचारधारा को हमारे मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी व स्वच्छता में भारत का महागुरु बना शहर इन्दौर जो व्यवसायिक राजधानी भी है । उसी शहर में लोक संस्कृति का धर्म उत्सव है अनंत चतुर्दशी का यहां चल समारोह। मजदूरों व मिल मालिकों की एक छोटी सी शुरुआत आज परम्परा का हिस्सा बन चुकी है । इन्दौर में सबसे पहला गणेश विसर्जन जुलूस अनंत चतुर्दशी गणेशोत्सव चल समारोह की शुरुआत 1924 में मिल मालिक मशहूर उद्योगपति काटन आफ किंग दानवीर सर सेठ हुकुमचंद जी ने शुरू कि थी । ऐसे गणेश उत्सव होलकर राजवंश के राजा-महाराजा भी बहुत धूमधाम से मनाते थे । उनके बाद शिव भक्त लोक माता देवी अहिल्याबाई होलकर भी गोरी पुत्र गणेश जी की पूजा अर्चना खजराना वाले गणेश जी से की थी । इतिहास में इन्दौर का गणेश विसर्जन चल समारोह लालटेन की रोशनी में ढोलक, डमरू, ढापली व विक्टोरिया बग्घियां के साथ झांकी का वह कारवां बैलगाड़ी से निकलता था । वह समय ऐसा था जब कपड़ा मिलों में मजदूरों के परिश्रम का डंका बजता था। वहीं पसीने की कमाई से 7 मिलें चलती थी उस की वजह से इन्दौर कपड़ों को कपड़ों का हब कहां जाता था । आज सभी मिलों को बंद हुऐ 34 वर्ष हो चुके हैं । अब ना वह शोर गुल होता ना भोगे की आवाज ना मिलों की चिमनियों से धुआं निकालता है । पर जो मजबूत नींव परम्परागत व संस्कृति बचाने हेतु लोगों की एकजुटता भाईचारा को बढ़ने हेतु सदियों पहले दानवीर सेठ हुकुमचंद जी ने डाली थी उसी विरासत को मिलों से जुड़े परिवारों द्वारा सहज कर आगे बढ़ाया जा रहा है यह बहुत गर्व की बात है । 100 वर्षों से ज्यादा पुराने इतिहास को आज भी वहीं जोश जुनून के साथ इन्दौर ने अपनी पुरानी परम्परा को कायम रखा हुआ है । यह बहुत ही गोरवान्वित करने वाली की बात है । इस आधुनिकता के दौर में पहले जैसा रंग अब गणेश उत्सव व अनंत चतुर्दशी चल समारोह में नहीं दिखाई देता है । पहले जिस प्रकार उमंग व उल्लास के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम गीत संगीत कवि सम्मेलन व पर्दे पर फिल्में दिखाई जाती थी और उसके बाद टीवी व बीसीआर पर रामायण महाभारत का प्रदर्शन अब नहीं होता पर अनंत चतुर्दशी की झांकियों का सिलसिला व अखाड़ों के पहलवानों के करतबों द्वारा शस्त्र कला के प्रदर्शन का सिलसिला जारी है । यहीं तो विरासत है और इस इन्टरनेट मोबाइल के इस आधुनिक युग में भी जहां हजारों बल्ब से सुसज्जित झिलमिलाती झांकियों का कारवां इन्दौर की पहचान बना हुआ है । इसमें सम्पूर्ण भारत की लोक कला का प्रदर्शन भी होता है , हर एक रंग में हम इन्दौरी उत्सव में उल्लास ढुंढ ही लेते है । जहां पुराने समय में दो तीन दिन पहले से ही दूरदराज के इलाकों से लोग अपनी जगह रोकने हेतु आ जातें थे । इन सौ साल से ज्यादा के सफ़र में सिर्फ करोना के दो वर्ष ही थे जब यह चल समारोह नही निकला । यहां तक की आपातकाल में भी गणेश महोत्सव की झांकी व अखाड़ों का प्रदर्शन अविरल जारी रहा । तभी तो हमारी पहचान मिनी मुंबई के नाम से होती है महाराष्ट्र के बाद मध्यप्रदेश के इन्दौर में ही गणेश उत्सव की अपनी एक अलग सी छवि बरसों से है । समय के साथ उत्सव में वह उल्लास में उतार-चढ़ाव जरूर हुआ , जिस प्रकार मुंबई में अंनत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन चल समारोह में वहां कोई सोता नहीं है मुंबई जागरण करती है । उसी प्रकार इन्दौर भी जागरण करता है , उस रात मानों आसमान से देवता भी पुष्प वर्षा कर स्वागत करते हैं। शाम से पूरी रात तक दिन जैसा एहसास हर कोई करता है । आज दानदाताओं समाजसेवी व जनप्रतिनिधि की मदद से झांकियां तैयार की है और शहर के इस रतजगा में धार्मिक व देश भक्ति भाव से ओतप्रोत 32 से ज्यादा झांकियां सजाई गई है। जो शहर भ्रमण के लिए निकलेंगी ।

स्वच्छता में अव्वल महागुरु शहर इन्दौर भारत का सिरमौर है उसी प्रकार वह परम्परा संस्कृति विरासत व इतिहास को सहेजने में भी सबसे आगे भी हैं । अनंत चतुर्दशी पर हमारा इन्दौर इस गणेश विसर्जन चल समारोह में पौराणिक कथाओं व सनातन संस्कृति व धर्म पर ओर इतिहासिक प्रेरक प्रसंगों पर बच्चों का स्वच्छ मनोरंजन के साथ विकासित भारत की बात के साथ आपरेशन सिंदुर व भारतीय सेना के शौर्य पर आधारित झांकियां भी आर्कषण केन्द्र रहेंगी । वहीं भारत सरकार के सकारात्मक प्रयासों का चित्रण इन झांकियों में हो रहा है । जो शाम होते ही मिल ऐरिये से शहर के हृदय स्थल राजबाड़ा होते हुए पूरी रात घूमतीं है सुबह मिलों के प्रांगण व मैदान में खड़ी हो होगी । और फिर तीन दिन देखने के लिए और रखी जाती है । एक समय ऐसा हुआ करता था कि जब यह चल समारोह मशाल व लालटेन की रोशनी में निकला जाता था उस के बाद बल्ब की झिलमिलाती लाइट्स व अब एल ई डी की दूधिया रोशनी में अंनत चतुर्दशी की रात इन्दौर में अंधेरा नहीं होगा । क्योंकि प्रथम पूज्य देवो के देव गजानंद गणपति जी का यह विसर्जन चल समारोह है जो प्रकाशमान बन पूरे शहर में सतरंगी छटा बिखरेगा। इसमें खास बात यह होती है इस आधुनिक युग में युवा पीढ़ी के लिए यह चल समारोह प्रेरित करता है कि भारतीय संस्कृति से जुड़ने के लिए अब जिम में लोग अपने शरीर को बनाने के लिए जाते हैं पर जो खुशबू हमारी मिट्टी के अखाड़ों में कसरत करने से आंनद की अनुभूति होती थी वह जिम में पसीना बहा कर भी नहीं होती होगी ।उन्हीं मिट्टी व अखाड़ों में पहलवानी करने वाले लोग भी अपने अपने अखाड़ों की शस्त्र कला करतब शरीर सौष्ठव का प्रर्दशन भी इस चल समारोह में करते हैं । जिसमें बांदिश , भाला, आत्मरक्षा के लिए बनेटी , पटा गदका फरी बाना ,चकरी, तलवार आदि शास्त्र कलां का प्रदर्शन करते हैं। इस में उस्ताद व खलिफाओ का स्वागत भी किया जाता है । वही इस प्रदर्शन में अब बालिकाएं भी लाठी बनेठी व तलवार व अन्य अस्त्र-शस्त्र के साथ ढोल नगाड़ों की थप पर कलाबाजियां भी करती है । जो इस विसर्जन समारोह का मुख्य आकर्षण भी रहता है जहां शासन प्रशासन इन्हें पुरस्कृत कर सम्मानित करते हैं यही हमारी आस्था की पहचान भी है जो इतनी भीड़भाड़ में बेटियां भी तलवार भाले बनेठी घुमती है । जो भारत की प्राचीन कलाओं में हैं, अखाड़ों की असली पहचान पहलवानों की मेहनत से होती है तभी इस चल समारोह में यह मिट्टी वाले देशी करतब करते पहलवान उस्ताद व खलीफाओं से पूरे कार्यक्रम में चार चांद लग जाता है। आप को मालूम होगा फिल्म डान में लेखक सलीम खान इन्दौर के थे जो खुद पहलवानी करते थे तभी तो उन्होंने ने डायलॉग लिखा था जिसे अमिताभ बच्चन ने फिल्म में डायलॉग बोला था कि हम भी इन्दौर के विजय बहादुर उस्ताद के अखाड़े के पहलवान हैं। ऐसी पटकनी देंगे की चारों खाने चित्त कर देंगे । इन्दौर में अभी भी ऐसे पंद्रह बीस बड़े अखाड़े आज भी चल रहे हैं । यह हमारी लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर जी का पुण्य प्रताप ही है । कि यह के लोग लोक संस्कृति व संस्कार को अपनी परम्परा के रूप में अब भी कायम रखें हुऐ हैं। कितनी भी दिक्कत आये मजदूरों की अर्थव्यवस्था चाहे ठीक नहीं हो पर उनके ठोस दमदार इरादों के आगे यहां सब चीजें बहुत छोटी नज़र आती है । इन मेहनतकश मजदूरों के वंशज भी इस विसर्जन चल समारोह के सहयोग में सबसे पहले आगे आते हैं , विघ्न विनाशक गणेश जी इस यात्रा को इस चल समारोह को निर्विघ्न संपन्नता का आशीर्वाद देते हैं। सर्व प्रथम इन्दौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर की झांकी रहती है । अनंत चतुर्दशी की पूरी रात झिलमिलाती झांकियों का कारवां चलता रहता है, बच्चे जवान बुजुर्ग नाचते गाते मस्ती उल्लास आंनद में आगे बढ़ते रहते हैं हजारों लाखों दर्शकों की भीड़ इन्दौरी होने का फर्ज अदा करती हैं और वह पूरी रात इन जांबाज मजदूरों की मेहनत का रास उल्लास देखते हैं । इन झिलमिलाती झांकियों के रंग-बिरंगे कारवां को निहारते हैं तभी तो अंनत चतुर्दशी की पूरी रात ढोलक बैंड बाजे डी जे नगाड़ों की गुंज बच्चों के खिलौनों की सीटियां कानों गुंजती है वहीं बुजुर्गो को बचपन की याद दिलाती है । बच्चों के खिलोने चकरी गुब्बारे डमरू बेचने वाले भी बच्चों को आकर्षित करतें हैं । ऐसे खेल खिलौने जो अब बड़े बड़े माल में जाने पर भी नहीं मिलते है वह यहां जरूर मिलते हैं । ऐसे तो झांकी उत्सव में प्रिय शहर वासियों और मेहनतकश मजदूरों का सार्थक प्रयास है कि सौ सालों से ज्यादा पुरानी परम्परा संस्कृति इतिहास को सहेजने हेतू वर्तमान युवा पीढ़ी को जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी दे रही हैं । अभी कुछ सालों से नगरनिगम इन्दौर व इन्दौर विकास प्राधिकरण भी इस चल समारोह में सहभागिता निभा रहे हैं। यह गर्व की बात है कि हम आज भी इन्दौर के इस गणेश विसर्जन चल समारोह में युवा वर्ग की भागीदारी बहुत ज्यादा होती है नये कपोलों को अंकुरित करने हेतु इस तरह के समारोह हमेशा से प्रेरणादायक रहे हैं । तभी तो पूरा शासन प्रशासन व समाजिक संस्थान धार्मिक मंदिरों के प्रबंधक सभी धर्मों के अनुयाई इस राष्ट्रीय एकता से ओतप्रोत इतिहासिक चल समारोह में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। जो सदियों से इन्दौर की धरोहर व आन बान शान रही है उसमें पूरा सहयोग करते हैं । तभी तो मध्यप्रदेश के इन्दौर में यह मिल मजदूरों के मनोरंजन व शिक्षा ओर धर्म समाज व राष्ट्र भक्ति जागने का छोटा सा प्रयास आजादी के पहले शुरू हुआ जो आज भी परम्परा संस्कृति पर्व हमारी विरासत बन गया है । इस अंनत चतुर्दशी चल समारोह की झांकियों व अखाड़ों का एक सदी से ज्यादा पुराना इतिहास आज भी जारी है । परम्परा संस्कृति आज इस आधुनिक युग में भी जीवित हैं । इस के लिए पूरे इन्दौर के सभी लोगों का आभार जो आप लोगो ने अपने शहर की विरासत को स्वर्ण अक्षरों में अंकित कर रखा है। यह कारवां सिर्फ मेहनतकश मिल मजदूरों का नहीं बल्कि इन्दौरीयो की लोक संस्कृति के साथ धर्म उत्सव का हिस्सा बन चुका है।

मोदी ओडिशा को 400 ई-बसें देंगे, राज्य के विभिन्न जिलों में जल्द ही ई-बसें चलाई जाएंगी

मनोरंजन सासमल, बरिष्ठ पत्रकार

भुबनेश्वर: भविष्य में राज्य में और भी ई-बसें चलेंगी। सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए भविष्य में और भी ई-बसें चलाने की योजना बना रही है। अगर देखा जाए तो राज्य को अभी लगभग 1000 ई-बसों की ज़रूरत है।हालांकि, शुरुआती दौर में एक साथ इतनी बसों का संचालन संभव नहीं है, इसलिए राज्य सरकार ने भविष्य में 200 ई-बसें लाने की योजना बनाई है।

इसके साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा को 400 ई-बसें भी प्रदान करेंगे। इस प्रकार, कुल 600 ई-बसें जनता की सेवा में लग जाएँगी। इसके साथ ही, अब 25 ई-बसें आ रही हैं। ये सबसे पहले संबलपुर को उपलब्ध कराई जाएँगी। बाद में, अन्य जिलों को भी ई-बसें उपलब्ध कराने की योजना है, मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा ने बताया।

अनंत चतुर्दशी: आस्था का महासमुद्र और भक्ति का अनंत प्रवाह

अनंत चतुर्दशी का पर्व भारतीय संस्कृति की अमर परंपराओं का एक ऐसा दीपस्तंभ है, जो धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय मूल्यों का अनुपम संगम प्रस्तुत करता है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाने वाला यह पर्व भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की भक्ति और गणेशोत्सव के समापन का प्रतीक है। यह उत्सव आस्था, उल्लास और आत्मचिंतन का एक अनूठा मेल है, जो न केवल ईश्वर से गहरा नाता जोड़ता है, बल्कि जीवन के गहन दार्शनिक प्रश्नों को भी स्पष्टता प्रदान करता है। अनंत चतुर्दशी केवल कर्मकांडों का पर्व नहीं, बल्कि एक ऐसी साधना है, जो मानव को अनंत शक्ति, धैर्य और विश्वास के पथ पर ले जाती है। यह पर्व हमें प्रेरित करता है कि अनंत आस्था और संयम के बल पर जीवन की हर चुनौती को परास्त किया जा सकता है।

"अनंत चतुर्दशी" का नाम ही अपने आप में एक गहन आध्यात्मिक संदेश समेटे हुए है। "अनंत" वह शाश्वत शक्ति है, जो असीम और अविनाशी है—न इसका प्रारंभ है, न अंत। शास्त्रों में भगवान विष्णु को शेषनाग पर विराजमान अनंत स्वरूप में चित्रित किया गया है, जिनके सहस्र फनों पर सृष्टि का संतुलन टिका है। यह चित्रण ब्रह्मांड की अथाह विशालता और अनंत शक्ति के आधार को दर्शाता है। इस दिन बांधा जाने वाला अनंत सूत्र इस असीम शक्ति का प्रतीक है। 14 गांठों से युक्त यह सूत्र जीवन के विविध आयामों—आध्यात्मिक, मानसिक, शारीरिक और सामाजिक—के संतुलन की प्रेरणा देता है। ये 14 गांठें जीवन के 14 चरणों या पहलुओं का प्रतीक हैं, जो हमें हर परिस्थिति में संयम और विश्वास बनाए रखने का संदेश देती हैं। पुरुष इसे दाहिनी और महिलाएं बायीं कलाई पर बांधते हैं, और यह सूत्र तब तक धारण किया जाता है, जब तक यह स्वतः न टूट जाए। मान्यता है कि इस सूत्र के साथ भगवान विष्णु का आशीर्वाद सदा व्रती के साथ रहता है, जो जीवन में शक्ति और स्थिरता प्रदान करता है।

अनंत चतुर्दशी की पूजा विधि अपने आप में अनूठी और गहन आध्यात्मिकता से ओतप्रोत है। प्रभात में स्नान के पश्चात व्रती संकल्प लेकर भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की भक्ति में तीन होते हैं। पूजा में पंचामृत, सुगंधित पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य के साथ श्रद्धा अर्पित की जाती है। अनंत सूत्र को पहले भगवान को समर्पित किया जाता है, फिर उसे पूर्ण भक्ति और विश्वास के साथ कलाई पर धारण किया जाता है। कई क्षेत्रों में अनंत भगवान की कथा सुनने की परंपरा है, जो श्रद्धालुओं के हृदय में विश्वास, धैर्य और साहस का संचार करती है। यह पूजा न केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक साधना को प्रोत्साहित करती है, बल्कि परिवार और समुदाय के बीच एकता का संदेश भी देती है। इस दिन परिवार एक साथ पूजा में संलग्न होते हैं, जिससे आपसी प्रेम और बंधन और सुदृढ़ होते हैं।

अनंत चतुर्दशी का एक और महत्वपूर्ण आयाम है गणेश विसर्जन, जो इस पर्व को भव्यता और उल्लास का प्रतीक बनाता है। महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और दक्षिण भारत के अनेक क्षेत्रों में गणेशोत्सव का समापन इस दिन होता है। लाखों भक्त ढोल-नगाड़ों, भक्ति भजनों और नृत्य के साथ "गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया" के उद्घोष के बीच गणेश प्रतिमाओं को नदियों, समुद्रों और तालाबों में विसर्जित करते हैं। यह दृश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामूहिक उत्साह, एकता और भक्ति का जीवंत प्रतीक है। इस अवसर पर जाति, वर्ग और धर्म की सीमाएं धूमिल हो जाती हैं, और सभी लोग एक ही भावना में डूबकर उत्सव का हिस्सा बनते हैं। यह भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता का अनुपम उदाहरण है, जो सामाजिक समरसता को सशक्त रूप से रेखांकित करता है।

अनंत चतुर्दशी का पर्यावरणीय आयाम आज के समय में विशेष रूप से प्रासंगिक है। गणेश विसर्जन की भव्यता के बीच जल प्रदूषण की चुनौती उभरकर सामने आती है, क्योंकि प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) और रासायनिक रंगों से बनी प्रतिमाएँ जलाशयों को दूषित करती हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि आस्था और प्रकृति के बीच सामंजस्य अनिवार्य है। आज कई व्यक्ति और संगठन मिट्टी से निर्मित पर्यावरण-मित्र गणेश प्रतिमाओं को प्रोत्साहित कर रहे हैं, जो प्राकृतिक रंगों से सज्जित होती हैं। साथ ही, कृत्रिम विसर्जन कुंडों का उपयोग जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने का एक प्रभावी कदम है। यह प्रयास अनंत चतुर्दशी के अनंत सूत्र को न केवल आध्यात्मिक, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक बनाता है, जो हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध कराता है।

इस पर्व का दार्शनिक संदेश भी अत्यंत गहन है। अनंत चतुर्दशी हमें जीवन की नश्वरता का बोध कराती है—सुख-दुख, उतार-चढ़ाव और लाभ-हानि, सब क्षणिक हैं। केवल परमात्मा की सत्ता ही अनंत और अटल है। अनंत सूत्र बांधते समय हम यह संकल्प लेते हैं कि हर परिस्थिति में धैर्य और विश्वास कायम रखेंगे। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि जीवन का सच्चा उद्देश्य भौतिक सुखों की तलाश नहीं, बल्कि उस अनंत आनंद की प्राप्ति है, जो ईश्वर की भक्ति और आत्मचिंतन से ही संभव है। इस दिन की साधना और ध्यान हमें आत्मावलोकन का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे हम अपनी कमियों को सुधारकर जीवन को और अधिक सार्थक बना सकते हैं।

अनंत चतुर्दशी की क्षेत्रीय विविधता इसे और भी जीवंत और रंगारंग बनाती है। महाराष्ट्र में जहाँ गणेश विसर्जन का उल्लास अपने चरम पर होता है, वहीं उत्तर भारत में यह पर्व भगवान विष्णु की भक्ति और अनंत सूत्र बांधने के लिए विख्यात है। गुजरात में भक्त उपवास और विशेष पूजा-अर्चना के साथ इस दिन को मनाते हैं, जबकि दक्षिण भारत में विष्णु मंदिरों में उत्साहपूर्ण उत्सवों का आयोजन होता है। इस प्रकार अनंत चतुर्दशी भारतीय संस्कृति की उस अनूठी विशेषता को उजागर करती है, जहाँ एक ही पर्व विविध रूपों में साकार होता है, किंतु इसका मूल संदेश आस्था, धैर्य और अनंत शक्ति की आराधना सदा अडिग और एकसमान रहता है।

यह पर्व हमें केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि जीवन की असीम संभावनाओं की ओर प्रेरित करता है। यह हमें सिखाता है कि कितनी भी विपत्तियाँ आएँ, अनंत विश्वास और संयम के बल पर हर बाधा को पार किया जा सकता है। साथ ही, यह पर्व हमें पर्यावरण, समाज और स्वयं के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराता है। जब हम "गणपति बप्पा मोरया" के उद्घोष के साथ विसर्जन करते हैं और अनंत सूत्र बांधते हैं, तो हम केवल परंपरा का निर्वहन नहीं करते, बल्कि अपने भीतर नई ऊर्जा, संकल्प और विश्वास का संचार करते हैं। यही अनंत चतुर्दशी की सच्ची भावना है, जो हमें अनंत काल तक प्रेरणा देती रहेगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नागरिक समाज की भागीदारी का आह्वान किया

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर:- कांग्रेस के सभी 35 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों के चुनाव के लिए ओडिशा में शुरू किए गए संगठन सृजन अभियान ने राज्य भर के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह पैदा कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने देश के विभिन्न हिस्सों से चुने गए 35 वरिष्ठ, अनुभवी और जाने-माने कांग्रेस नेताओं को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में ओडिशा भेजा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रत्येक जिले में संबंधित केंद्रीय पर्यवेक्षकों की सहायता के लिए तीन राज्य पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। केंद्रीय पर्यवेक्षक कम से कम 7 दिनों तक संबंधित जिलों में रहेंगे, पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की राय लेंगे और सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 6 योग्य और कुशल संगठनकर्ताओं की सूची तैयार करके 14 तारीख तक अंतिम चयन के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को सौंपेंगे।

सभी जानते हैं कि एक समृद्ध लोकतंत्र के लिए एक मज़बूत विपक्षी दल अनिवार्य है। देश में, खासकर ओडिशा में, वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, कांग्रेस को एक मज़बूत पार्टी के रूप में उभरने की आवश्यकता है। इसलिए, ज़मीनी स्तर पर पार्टी संगठन को मज़बूत करने के लिए नागरिक समाज की भागीदारी बेहद ज़रूरी है, ऐसा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा। श्री दास ने कहा कि समान विचारधारा वाले नागरिक समाज का भी यह कर्तव्य है कि वे अपने-अपने ज़िलों में एक योग्य और योग्य कांग्रेस नेता को जिला कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में चुनें। श्री दास ने जिला कांग्रेस समन्वयकों से आह्वान किया कि वे अपने ज़िलों के विभिन्न प्रमुख सामाजिक संगठनों और नागरिक समाज के ज़िम्मेदार और स्वीकार्य प्रतिनिधियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के समक्ष चर्चा के लिए लाने में सहयोग करें।

करम पूजा के दिन नदी में नहाते वक्त दो बच्ची डूबने से मृत

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड

रांची, गढ़वा जिले में 'करम पूजा' उत्सव के दौरान नदी में स्नान करने गई दो बच्चियों की डूबने से मौत हो गई. पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह घटना केतार पुलिस थानाक्षेत्र के अंतर्गत बुधवार को हुई. मृतक बच्चियों की पहचान बुधनी कुमारी (8) और सोनम कुमारी (7) के रूप में हुई है.

उधर केतार थाने के प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने बताया, "ताली और बक्सीपुर गांवों की लगभग 12 महिलाएं और लड़कियां अनुष्ठान के तहत पांडा नदी में स्नान करने गई थीं. अनुष्ठान के दौरान छह लड़कियां फिसलकर नदी में गिर गईं लेकिन मौके पर मौजूद महिलाओं ने उन्हें बचा लिया. रवानी ने कहा, दो लड़कियां बेहोश हालत में मिलीं और उन्हें भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

अधिवक्ताओं के साथ सरकार की वादा खिलाफी दुर्भाग्यपूर्ण: धीर सिंह कसाना

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नईदिल्ली। साकेत बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता धीर सिंह कसाना ने कहा कि थाने से पुलिस बयान की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रिकॉर्डिंग का अधिवक्ता लगातार विरोध कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री के आश्वासन पर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कोऑर्डिनेशन कमिटी एवं गृह मंत्री की 2 सितंबर को बैठक हुई जिसमें गृह मंत्री अमित शाह ने अधिवक्ताओं को सकारात्मक आश्वासन दिया। परंतु 4 सितंबर को दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने एक सर्कुलर जारी किया जिसमें अधिवक्ताओं के साथ हुए समझौते को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। यह दिल्ली के अधिवक्ताओं के साथ सरकार का बहुत बड़ा धोखा है। श्री कसाना ने कहा कि अधिवक्ता लगातार इस बात को उठा रहे हैं कि थाने से पुलिस बयान की रिकॉर्डिंग ना तो कानून सम्मत है और ना ही इससे न्यायिक पारदर्शिता को सुनिश्चित किया जा सकता है। श्री कसाना ने इसे सरकार की तानाशाही नीति बताया और कहा कि अधिवक्ता जनहित और न्याय

हित में अपनी लड़ाई लड़ते रहेंगे तथा सरकार के सामने नहीं झुकेंगे। उन्होंने कहा कि 4 सितंबर के सर्कुलर में अधिवक्ताओं के साथ हुए समझौते को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। श्री कसाना ने कहा कि अब अधिवक्ता इस मुद्दे पर आर पार की लड़ाई की मूड में है तथा आगामी 8 सितंबर से अधिवक्ता अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे, तथा अपने आंदोलन को और तेज करेंगे। श्री कसाना ने कहा कि जनहित एवं न्याय की रक्षा अधिवक्ताओं का परम कर्तव्य है। इसलिए अधिवक्ता किसी भी सूरत में सरकार के इस फैसले को नहीं मानेंगे जब तक सरकार इसे वापस नहीं लेती।

हड़ प्रभावित इलाकों में 16 राहत कैंप पीड़ितों को बाँट रहे राहत सामग्री – डिप्टी कमिश्नर

अमृतसर, 5 सितंबर (साहिल बेरी)

हड़ पीड़ित परिवारों की मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा हड़ प्रभावित इलाकों में 16 राहत कैंप चलाए जा रहे हैं, जहाँ से ज़रूरतमंदों को आवश्यक वस्तुएँ और पशुओं के लिए चारा उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अलावा डॉक्टरों की टीमें यहाँ इंसानों और पशुओं का इलाज भी कर रही हैं।

इस संबंधी जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर श्रीमती साक्षी साहनी ने बताया कि हमारी कोशिश है कि प्राकृतिक आपदा से जो नुकसान होना था, उसे तो हम रोक नहीं सके, लेकिन भविष्य में किसी प्रकार की लापरवाही से कोई नुकसान न हो। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संकट के समय ज़िला हेल्पलाइन नंबर 0183-2229125 पर फोन करें, ताकि उनकी मदद की जा सके।

डिप्टी कमिश्नर ने मीडिया साथियों से भी अपील करते हुए कहा कि यदि उनके ध्यान में आता है कि कहीं राहत सामग्री नहीं पहुँच रही है तो

कृपया वहाँ का संपर्क नंबर और पता नोट करें और प्रशासन के ध्यान में लाएँ, ताकि उसकी पुष्टि कर राहत सामग्री तुरंत पहुँचा सकें। उन्होंने बताया कि हमें कुछ शिकायतें मिली हैं कि कुछ व्यक्ति राहत सामग्री इकट्ठा करने में लगे हुए हैं। ऐसे में प्रशासन जाँच कर सकेगा और समान वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैदान में मीडिया की मौजूदगी मानवता के लिए बड़ी सेवा होगी और निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति पीछे न रह जाए और कोई भी शरारती तत्व इस बड़ी तबाही का नाजायज़ फायदा न उठा सके।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हमारी टीमें हर समय प्रभावित लोगों की मदद के लिए तैनात हैं, जिनमें डॉक्टर और पशु विशेषज्ञ भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हड़ प्रभावित इलाकों में मेडिकल कैंप भी स्थापित किए गए हैं, जहाँ 24 घंटे डॉक्टर सेवाएँ दे रहे हैं। इसके अलावा पशुपालन विभाग के कर्मचारी हर गाँव स्तर तक पशुओं के लिए हरा चारा पहुँचा रहे हैं।

प्रभु जगन्नाथ की हज़ारों एकड़ ज़मीन वापस केलिए सरकार ने शुरू की प्रक्रिया

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : क्या वापस आएगा प्रभु जगन्नाथ की हज़ारों एकड़ ज़मीन ! या सिर्फ़ घोषणा तक ही सीमित रहेगी ? क़ानून मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। बीजद ने कहा कि पहले क़ानून लाओ, ज़मीन की ख़रीद-फ़रोख़्त पर रोक लगाओ। जगन्नाथ के लिए ज़मीन तो है। लेकिन ज़मीन का सही मूल्यांकन नहीं हुआ है। राज्य सरकार ने यह देखने की प्रक्रिया शुरू कर दी है कि जगन्नाथ जहाँ विराजमान हैं, उस ज़मीन का इस्तेमाल महाप्रभु के काम के लिए कैसे किया जाएगा।

जगन्नाथ के पास राज्य के अंदर और बाहर 58,000 एकड़ ज़मीन है। लगभग 37,000 एकड़ ज़मीन के कागजात तैयार हो चुके हैं। बाकी का काम नहीं हुआ है। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि सरकार इस दिशा में तत्काल कदम उठा रही है। सरकार उन जमीनों का सही आकलन करने की योजना तैयार कर रही है जहां महाप्रभु की संपत्ति है। सरकार राज्य और राज्य के बाहर महाप्रभु की सभी संपत्तियों को महाप्रभु के काम में निवेश करने के लिए कदम उठा रही है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने कहा है कि सरकार को केवल घोषणा नहीं करनी चाहिए, बल्कि जमीन वापस करने का प्रयास करना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि नेपाल और आंध्र प्रदेश में भी जमीन है। उसे वापस लाएं।सरकार पहले कानून लाए, फिर जमीन वापसी की प्रक्रिया शुरू करे। सरकार सिर्फ डेढ़ साल लगने की बात कह रही है। लेकिन काम धीमा कर दिया गया है। बेईमान लोग हैं जिन्होंने जगन्नाथ की जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है। वे इस जमीन को बेच भी रहे हैं। बीजद ने कहा है कि राज्य सरकार को पहले इस पर रोक लगानी चाहिए। जगन्नाथ के पास 60,426 एकड़ जमीन है। जिसमें से 34,061 एकड़ जमीन के कागजात हैं। 6 साल में केवल 4,000 एकड़ जमीन वापस की गई है। जगन्नाथ के पास राज्य के 24 जिलों में जमीन है, जबकि 10 जिलों में राजस्व एकत्र किया जा रहा है। इस पर बहस शुरू हो गई है कि क्या राज्य सरकार जगन्नाथ की जमीन वापस करेगी या यह सिर्फ एक घोषणा बनकर रह जाएगी।

झरिया के पूर्व महिला विधायक पूर्णिमा पर अदालत अवमानना मुकदमा दायर

मृतक नीरज सिंह की विधवा पत्नी पूर्णिमा नीरज सिंह

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड - झारखंड

रांची, झरिया की पूर्व कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह के विरुद्ध गुरुवार को अदालत की अवमानना का मुकदमा न्यायालय में दायर हुआ।

धनबाद कोर्ट के अधिवक्ता वकार अहमद ने मुकदमा दायर कर आरोप लगाया है कि 27 अगस्त 25 को धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने नीरज हत्याकांड में अपना फैसला सुनाया और आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।अधिवक्ता वकार ने अदालत में दायर शिकायतवाद में आरोप लगाया है कि फैसले के विरुद्ध 1 सितंबर 25 को संध्या 6 बजे से 7:30 बजे तक रणधीर वर्मा चौक में मृतक नीरज सिंह की पत्नी पूर्णिमा नीरज सिंह के नेतृत्व में जिला परिषद मैदान से रणधीर वर्मा चौक तक न्यायालय के फैसले के विरुद्ध कैंडल सह आक्रोश मार्च निकाला गया और उस स्थल पर पूर्णिमा नीरज सिंह ने फैसला सुनाने वाले न्यायाधीश के विरुद्ध घोर अपमान सूचक व अपयशकारी शब्दों का खुलेआम प्रयोग किया

शिकायत वाद में आरोप लगाया गया है कि पूर्णिमा नीरज सिंह ने न्यायालय के फैसले के विरुद्ध विरोध मार्च का नेतृत्व करते हुए उपस्थित लोगों, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को संबोधित करते हुए न्यायपालिका व न्यायाधीश के विरूद्ध खुलकर मानहानिकारक अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा कि फैसले लेने में कहां चूक हुई बाबा ये आपको जज साहब बताएंगे जिन्होंने फैसला दिया है।

चश्मे का नंबर अपना बढ़वा ले वो, हो सकता है उनका चश्मा का नंबर ठीक नहीं हो ठीक से पढ़ नहीं पाए हो। इतना ही नहीं न्यायपालिका व न्यायालय के विरुद्ध व घोर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए पूर्णिमा सिंह ने कहा कि ये न्यायपान्यायपालिका एवं न्यायाधीश के विरुद्ध गलत संदेश गया जो भारतीय न्याय व्यवस्था न्यायपालिका के व्यक्तित्व के ऊपर सोची समझी साजिश के तहत किया गया एक गंभीर हमला उन्होंने न्यायाधीश की छवि को धूमिल करने का प्रयास है। अधिवक्ता ने शिकायतवाद में आरोप लगाया है कि 1 सितंबर 25 को संध्या 6 बजे से 7:30 बजे तक रणधीर वर्मा चौक धनबाद की घटना न्यायपालिका की स्वतंत्रता एवं न्याय प्रणाली पर आपराधिक हमला है जो लोकतंत्र के लिए भी चिंताजनक विषय है।

अधिवक्ता ने पूर्णिमा सिंह के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 267, (न्यायिक कार्यवाही के दौरान किसी लोक सेवक को जानबूझकर अपमानित करना) एवं धारा 356 (मानहानि) के अपराध में संज्ञान लेने की प्रार्थना की है। अदालत ने मुकदमे में सुनवाई के लिए छह सितंबर की तारीख निर्धारित की है।

सूर्या हांसदा एनकाउंटर पर स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने पत्नी एवं मां पहुंची हाईकोर्ट

पुलिस एनकाउंटर झारखंड भाजपा का राजनीतिक मुद्दा बना

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड -झारखंड

रांची, गोड्डा जिले के आदिवासी नेता सह विधानसभा प्रत्याशी सुर्या हांसदा की मौत को लेकर उनकी पत्नी सुशीला और मां नीलमणी मुर्मू ने झारखंड हाईकोर्ट के दहलीज पर खड़े हैं। भाजपा एवं प्रतिपक्ष नेता सहित मुद्दा बनाते हुए राजपाल को ज्ञापन देने के बाद दोनों ने मिलकर गुरुवार को याचिका दायर करते हुए स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की गुहार लगाई है।

बता दें कि 11 अगस्त को हुई इस कथित मुठभेड़ में सुर्या हांसदा की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस का दावा है कि 10 अगस्त को देवघर के नवाडीह गांव से सुर्या को गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन उसे छिपाए गए हथियार बरामद करने के लिए रहदबादिया पहाड़ियों की ओर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान उसने पुलिस से हथियार छीना और फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में उसकी मौत हो गई।इस मामले में सूर्या की मां नीलमणी का आरोप है कि यह सब सोची-समझी साजिश थी और पुलिस ने उनके बेटे को प्लानिंग करके मार डाला गया। याचिका में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, देवघर और गोड्डा के एसपी समेत कई पुलिस अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है।

एक जूझारू नेता होने के कारण सूर्या हांसद पर कई आपराधिक मुकदमे भी दर्ज थे। बीती 11 अगस्त को हांसदा को एनकाउंटर में मार दिया गया। अब हांसदा की मौत को लेकर उठे सवालों ने मामले को और पेचीदा बना दिया है।

राउरकेला इस्पात संयंत्र में चल रहा परिवहन माफिया गिरी बंद हो - (आरजीटीए अध्यक्ष)

एक ही व्यक्ति का सभी गंतव्य तक माल उठाना कहां तक जायज शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी - आलोक वर्मा -निदेशक प्रभारी (राउरकेला इस्पात संयत्र)

राउरकेला- इस्पात नगरी कहलन वाले राउरकेला का मूल आधार राउरकेला इस्पात संयंत्र से निकलने वाले एमएस सीट, एमएस कोइल, पिग आयरन व अन्य कई जरूरी इस्पात व इस्पात के प्राइम मेटेरियल का परिवहन करने का अधिकार सिर्फ एक ठेकेदार को ही राउरकेला इस्पात संयंत्र के अंदरुनी समर्थन के वजह से मिलने का चर्चा जोरों पर है। इस विषय पर राउरकेला इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी आलोक वर्मा के अनुसार स्थानीय गाड़ियों व परिवहन संस्थाओं को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कोई लिखित शिकायत मिलने पर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

राउरकेला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन (आर टी ओ ए)- राउरकेला की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक के अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा। हमारी गाड़ियां स्थानीय व सिमित क्षेत्र तक ही परिवहन करती है सुंदरगढ़,बड़गांव,कुआरमुंडा व बोनई तक ही हमारी गाड़ियां परिवहन करती है वहीं दूसरी ओर हम किसी के साथ भेदभाव भी नहीं करते, स्थानीय क्षेत्र में परिवहन के लिए जो भी हमारे पास आएगा हम उनको गाड़ियां देंगे और किसी के साथ किसी भी तरह के भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं उठाता है हमारी संस्था किसी से भेदभाव नहीं करती है"

राउरकेला के व्यावसायिक समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्रीज़ के महासचिव शुभम कपूर ने कहा। वर्तमान में ऐसी कोई शिकायत हमारे पास नहीं है यदि शिकायत आती है तो हम जरूरी कार्रवाई करेंगे स्वस्थ वातावरण के तहत ही परिवहन होंगे, जो भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के तहत कार्य करेगा हम उसके साथ हैं- किसी भी उचित शिकायत पर कार्रवाई निश्चित है।

राउरकेला चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष सूब्रत (शुभ) पटनायक ने कहा। कहीं ना कहीं थोड़ी बहुत गड़बड़ियां होती होगी और शिकायत मिलने पर हम सभी लोग मिलकर उसके प्रति उचित कार्रवाई का समर्थन करेंगे, मेरे कार्यकाल के तहत मेरे नेतृत्व में कभी भी भेदभाव नहीं किया गया व खुले बाजार के माहौल में राउरकेला के व्यापारिक संस्थाओं ने कार्य किया जहां तक राउरकेला इस्पात संयंत्र की बात रही उसने हमेशा सहयोग लिया है कभी स्थानीय मुद्दों पर सहयोग दिया नहीं है, राउरकेला औद्योगिक मंडी है व यहां किसी की एक तरफा नीति नहीं चलेगी राउरकेला गुड्स ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन जैसी संस्थाओं ने सदा ही उन्मुक्त व्यापार को प्राथमिकता दी है व उम्मीद करता हूं आगे भी रहेगी"

राउरकेला गुड्स ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के पूर्व महासचिव मोहम्मद सलीम ने कहा। राउरकेला गुड्स ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन सदा ही शांति के माहौल में काम करता है आज स्थिति यह हो गई है कि ₹50 प्रती टन कमीशन हमें कार्यादेश नहीं मिल पा रहा है वहीं बाहर से गाड़ियां आती है 100 से ₹200 कम में माल परिवहन करके ले जाती हैं अभी एक दुर्घटना घटित हुई थी गाड़ियां गायब हुई थी और सबसे दुखद तथ्य यह है कि स्थानीय किसी एक ठेकेदार के द्वारा सभी को डरा धमका करके डर के माहौल में 300 से 400₹ प्रती टन तक का अधिक डिफरेंस लिया जा रहा है व राजनीतिक दबाव व गुंडातत्वों के कारण व्यापारी गण भी उसे मजबूरन 300 से ₹400 प्रतिटन अधिक भुगतान कर रहे हैं वर्तमान में प्रशासन के सहयोग से मामले को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है यदि बात नहीं बनी तो आने वाले दिनों में हम लोग चक्का जाम करेंगे।

राउरकेला इस्पात संयंत्र कहीं ना कहीं राउरकेला में उद्योग धंधे व परिवहन का मूल तंत्र है व यहां ऐसी अराजकता फैलने पर कहीं ना कहीं आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ शहर को भी इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है कारण व स्थिति जो भी हो परिवहन व्यवसाई इस मामले में कमर कस चुके हैं।

हड़ में 100 प्रतिशत क्षतिग्रस्त मकानों और हुई मौतों का मुआवजा तुरंत जारी किया जाए — डिप्टी कमिश्नर श्रीमती साक्षी साहनी

कीटाणुओं और गंदे पानी से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु विभिन्न विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सर्वेक्षण के लिए तुरंत रिस्पॉन्स टीमें गठित करने के आदेश

अमृतसर, (साहिल बेरी)

डिप्टी कमिश्नर श्रीमती साक्षी साहनी ने कहा कि हड़ से प्रभावित 100 प्रतिशत क्षतिग्रस्त मकानों और हुई मौतों का मुआवजा देने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए, ताकि आने वाले दिनों में पीड़ित परिवारों को राहत राशि समय पर दी जा सके। वह आज अजनाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रही थीं।

उन्होंने बताया कि प्रभावित नागरिकों के लिए राहत और पुनर्वास प्रयास पहले ही आरंभ कर दिए गए हैं। उन्होंने जिला माल अधिकारी को निर्देश दिए कि संबंधित एसडीएम और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर मुआवजा और राहत सामग्री का समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए। कोई भी पात्र नागरिक इस राहत से वंचित नहीं रहना चाहिए।

डिप्टी कमिश्नर ने आगे कहा कि मुआवजा संबंधी प्राप्त होने वाली सभी अर्जी/क्लेम्स पर सरकार के निर्देशों के अनुसार शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को तात्कालिक राहत प्रदान की जा सके।

उन्होंने कहा कि गाँवों में हड़ का पानी कम होना शुरू हो गया है, लेकिन निचले इलाकों में पानी खड़ा होने से कीटाणुओं और गंदे पानी से बीमारियों के फैलने का खतरा है। इसको देखते हुए विभिन्न विभागों को रोकथाम के कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

डिप्टी कमिश्नर ने स्वास्थ्य और पंचायत विभाग को आदेश दिया कि उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में घर-घर सर्वेक्षण के लिए तुरंत रिस्पॉन्स टीमें गठित कर तैनाती सुनिश्चित करें। इसके साथ ही संभावित मामलों से निपटने हेतु जरूरी दवाइयां, डायग्नोस्टिक किट्स और अस्पतालों में बेड की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में दर्ज मामलों की निगरानी के साथ प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग करवाई जाए और संबंधित विभाग अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

गौरतलब है कि डिप्टी कमिश्नर के आदेशों पर विभिन्न विभागों की टीमें सक्रिय हो चुकी हैं और प्रभावित इलाकों में कीटाणुओं एवं गंदे पानी से बीमारियों की रोकथाम हेतु प्रयास शुरू हो गए हैं। वहीं जरूरतमंदों तक राहत सामग्री और पशुओं के लिए हरा चारा गाँव-स्तर तक पहुँचाया जा रहा है।

इस बैठक में अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) श्री रोहित गुप्ता, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) श्रीमती अमनदीप कौर, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) श्रीमती परमजीत कौर, एसडीएम अमृतसर-1 श्री गुरसिमरन सिंह, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी श्री अमनजीत सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री संदीप मल्होत्रा, सहायक सिविल सर्जन डॉ. रजिंदर पाल कौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश के कारण घर ढह जाने पर लोगों को जल्द मुआवजा दिलवाएंगे : विधायक डॉ अजय गुप्ता

अमृतसर, 5 सितंबर (साहिल बेरी)

केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ अजय गुप्ता ने आज फतेह सिंह कॉलोनी में बारिश के कारण एक घर की दोनों छते गिरने से पूरी तरह से ढह जाने और दूसरे घर की एक छत क्षतिग्रस्त होने पर मौके पर पहुंचे। विधायक डॉ गुप्ता ने कहा कि बारिश के कारण घर ढह जाने पर प्रभावित लोगों को जल्द पंजाब सरकार की ओर से मुआवजा दिलवाएंगे। उन्होंने कहा कि फतेह सिंह कॉलोनी गली नंबर 5 में एक घर पूरी तरह से ढह गया है और दूसरे घर की एक छत क्षतिग्रस्त हुई है, जिससे काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि भगवान का शुक्र है कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने दोनों घरों के मालिकों को कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, इस दुख की घड़ी में वह और उनके वॉलिंटियर्स उनके साथ खड़े हैं।

पंजाब राज्य पेंशनर्स महासंघ अमृतसर की मासिक बैठक अध्यक्ष दविंदर सिंह की अध्यक्षता में नहर कार्यालय में आयोजित की गई

अमृतसर 5 सितंबर (साहिल बेरी)

बैठक की शुरुआत में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हुई अकाल मौतों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इसके उपरांत जस्सा सिंह कद्दगिल (तरणतारण यूनिट), जतिंदर कुमार लखनपाल, जे.पी. सिंह औलख (ऑल कैडर), अमरजीत सिंह बग्गा (प्रेस सचिव), जोगिंदर सिंह (सीनियर मीट प्रधान), गुरदियाल चंद (एग्जीक्यूटिव सदस्य), कुलदीप सिंह वाहला (चेयरमैन) और अन्य सदस्यों ने बाढ़ पीड़ित परिवारों की मदद हेतु सहयोग और आर्थिक सहायता देने संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक सदस्य अपनी एक दिन की पेंशन दान करेंगे। बैठक में उपस्थित साथियों ने मौके पर ही जोगिंदर सिंह (सीनियर मीट प्रधान) को अधिक से अधिक सहयोग फंड जमा करवाया। साथ ही पंजाब राज्य पेंशनर्स महासंघ अमृतसर के अन्य सदस्यों से भी यथासंभव मदद देने की अपील की गई।

इस अवसर पर महासंघ के महासचिव जोगिंदर सिंह और अध्यक्ष दविंदर सिंह ने आए हुए साथियों का धन्यवाद व्यक्त किया। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मान सरकार की जनकल्याणकारी राजनीति और सेवा मिशन से उत्साहित होकर संगठनों ने बाढ़ पीड़ितों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया : धालीवाल

केंद्र सरकार का पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की आंखों से त्रासदी देखने के बावजूद अब तक मौन रहना "सौतेली मां जैसा व्यवहार" — धालीवाल

धालीवाल और अनमोल गगन मान ने बाढ़ पीड़ितों में फोल्डिंग खाट, तिरपाल आदि से भरी 5 गाड़ियां राहत सामग्री बांटी

अमृतसर/अजनाला, (साहिल बेरी)

आज हलका विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री पंजाब श्री कुलदीप सिंह धालीवाल और खड्ड़ हलके की विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री अनमोल गगन मान, रावी दरिया की बाढ़ से प्रभावित और अब भी पानी में आधे डूबे गांव कल्लोमाहल, सुल्तानमाहल और दहूरियां में बाढ़ पीड़ितों का हाल-चाल लेने ट्रैक्टर पर बैठकर पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों से हमदर्दी जताई और भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री पंजाब श्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली सरकार पीड़ितों के पुनर्वास और फसलें, घर, पशु व मानव जीवन की हानि का उचित मुआवजा देने के लिए वचनबद्ध है।

इस मौके पर अनमोल गगन मान अपने समर्थकों के साथ 5 गाड़ियों में फोल्डिंग खाट, तिरपाल, मच्छरदानियां, दरियां, पशुओं का चारा, टॉर्च, ऑडोमॉस, मोमबत्तियां, साथ ही चीनी, चाय आदि घरेलू जरूरत का सामान लेकर पहुंचीं, जिन्हें धालीवाल और मान ने सेवा भाव से बिना किसी जाति या राजनीतिक भेदभाव के प्रभावित गांवों में वितरित किया।

बातचीत के दौरान धालीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री पंजाब श्री भगवंत सिंह मान समेत पार्टी की पूरी नेतृत्व टीम ने सत्ता के कार्यकाल के दौरान सांप्रदायिक नफरत और तुच्छ राजनीति को छोड़कर जनकल्याणकारी मिशन अपनाया। मुफ्त बिजली, मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं, पंजाब की 3 करोड़ आबादी को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि सुविधाओं को पार्टी ने अपना केंद्रीय मिशन बनाया। इसी का असर है कि देश की अन्य राष्ट्रीय पार्टियों को भी अपनी राजनीति का केंद्र जनकल्याणकारी योजनाओं को बनाना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब पंजाब प्राकृतिक आपदा बाढ़ की चपेट में आया, तो आप पार्टी की सेवा और राजनीति से प्रभावित होकर पंजाब के सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठन भी पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंचाने में जुट गए।

धालीवाल ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले दो हफ्तों से बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाबियों के लिए अब तक कोई राहत पैकेज घोषित नहीं किया है। जबकि असल में जमीनी राहत देने की प्राथमिक जिम्मेदारी केंद्र की होती है, लेकिन वह इसे राज्यों पर छोड़कर खुद को मुक्त समझ रही है।

उन्होंने कहा कि 2021-22 में जब पंजाब और बिहार में भयानक बाढ़ आई थी, तब केंद्र ने बिहार को बड़ा आर्थिक पैकेज दिया लेकिन पंजाब को नजरअंदाज कर दिया। 2023 में आई बाढ़ का जायजा लेने केंद्र की कई विभागीय टीमें पंजाब आई थीं, रिपोर्ट भी दी गई, लेकिन फिर भी न तो विशेष पैकेज दिया गया और न ही फसल नुकसान के मुआवजे में कोई बढ़ोतरी की गई।

धालीवाल ने भावुक होकर कहा कि हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके माना कि फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। केंद्र की टीमों ने भी यह रिपोर्ट दी है। लेकिन फिर भी केंद्र सरकार पंजाब के साथ सौतेली मां जैसा व्यवहार कर रही है और अब तक फसल नुकसान के लिए 80 हजार रुपये प्रति एकड़, खेती मज़दूरों के लिए 1-1 लाख रुपये, मरे पशुओं के लिए 1-1 लाख रुपये और बाढ़ में मृत व्यक्तियों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का राहत फंड जारी नहीं किया।

नगर योजनाकार अधिकारियों और एजेंटों की मिलीभगत से इमारत योजना मंजूरियां व एनओसी जारी करने में नापाक गठजोड़ का विजिलेंस ब्यूरो ने किया पर्दाफाश

आरटीआई कार्यकर्ता को 4 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों किया गिरफ्तार

चंडीगढ़, (साहिल बेरी)

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई मुहिम के दौरान नगर निगम (एमसी) अमृतसर की टाउन प्लानिंग शाखा में नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी करने और इमारती योजनाओं की मंजूरी से जुड़े एक नापाक गठजोड़ का खुलासा किया है। ब्यूरो ने इस मामले में अमृतसर के छेहरटा निवासी आरटीआई कार्यकर्ता सुरेश कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया है, जो एमटीपी अधिकारियों के लिए एजेंट की तरह काम कर रहा था और आवेदकों से पैसे वसूलने के लिए आरटीआई आवेदन दाखिल कर फिर एमसी अधिकारियों से मिलीभगत कर उन्हें वापस लेकर वसूली करता था।

आज यहां यह जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने कहा था कि उसने रेलवे लिंक रोड, अमृतसर में एक मौजूद ढांचा गिराकर एक दुकान बनाई थी और एमसी अमृतसर की एमटीपी शाखा से एक मंज़िल की मंज़ूरी ली थी। अतिरिक्त निर्माण के लिए जब उसने एमटीपी अधिकारियों से संपर्क किया तो उन्होंने संशोधित प्लान जमा करने की सलाह दी। लेकिन एटीपी परमिंदर सिंह ने उसके द्वारा जमा की योजना दो बार यह कहकर रद्द कर दी कि उक्त सुरेश कुमार शर्मा ने उसके प्रोजेक्ट के खिलाफ अलग-अलग नामों से आरटीआई आवेदन दिए हैं। इस एटीपी ने शिकायतकर्ता से कहा कि यदि वह अपनी फाइल क्लियर करवाना चाहता है तो सुरेश शर्मा से संपर्क करे।

शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि जब उसने शर्मा से संपर्क किया तो उसने पहले ये शिकायतें वापस लेने के लिए 7 लाख रुपये की मांग की, परन्तु उसके मनाने के बाद सौदा 4 लाख रुपये में तय हुआ।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि शिकायत की प्राथमिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाकर दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी को 4 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो थाना अमृतसर रेंज में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को कल सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा।

विजिलेंस ब्यूरो ने जनता से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त आरोपी सुरेश कुमार द्वारा की जा रही ब्लैकमेलिंग के बारे में और जानकारी देना चाहता है तो वह ब्यूरो से संपर्क कर सकता है और ऐसे लोगों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

सेंट मदर टेरेसा जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

अमृतसर, 5 सितम्बर (साहिल बेरी)

सेंट मदर टेरेसा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज मदर टेरेसा चौक, हरतेज अस्पताल के नजदीक, एयरपोर्ट रोड अमृतसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अमनदीप गिल सुपारीविंड मजीठा, पूर्व चेयरमैन क्रिश्चियन वेलफेयर बोर्ड पंजाब की अगुवाई में संपन्न हुआ। इस मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने मदर टेरेसा जी को श्रद्धा के फूल भेंट किए।

इस दौरान श्री अमनदीप गिल ने संबोधित करते हुए कहा कि मदर टेरेसा जी द्वारा मानवता की सेवा, गरीबों और जरूरतमंदों की मदद हमेशा याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें सेंट मदर टेरेसा जी के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए और गरीबों, लाचारों तथा बेसहारा लोगों की सेवा करनी चाहिए। साथ ही समाज में भाईचारे और आपसी सहयोग की भावना बनाए रखनी चाहिए।

इस अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में माननीय फादर समुएल नाहर, बिशप उल्फ़त राज जी, मदर टेरेसा जमात से सिस्टर साहिबान, एसडीएम मजीठा मैडम पियुषा पुरदक (आईएएस), एसएचओ सिविल लाइन अमृतसर श्री मोहित कुमार, इंस्पेक्टर वूमेन सेल मैडम मनदीप कौर, इंस्पेक्टर रोबिन हंस, प्रधान संजय मसीह (गुमटाला), पास्टर गुलशन पॉल, डॉ. जतिंदर कुमार (कोट खालसा), रीडर दीपक मैथ्यू, पीटर भट्टी (ट्रांसपोर्टर), प्रधान बलदेव मसीह (भिखीविंड), रॉबिन मसीह (मजीठा रोड), सनी सरीन (ज्वाला ट्रेवल, हाथी गेट अमृतसर), पास्टर दिलबाग मसीह, जसवंत मसीह, सुनील बब्बल (मजीठा रोड), बाबू सुखबीर (गुमटाला), मौलवी साहब आदि विशेष रूप से मौजूद रहे।

ब्रिगेडियर के.एस. बावा ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-10 का दौरा किया

अमृतसर 5 सितंबर (साहिल बेरी)

ब्रिगेडियर के.एस. बावा एनसीसी ग्रुप कमांडर अमृतसर ने 24 पंजाब बटालियन एनसीसी, अमृतसर द्वारा आईटीआई रामतीर्थ में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-10 का दौरा किया। कैडेटों ने ग्रुप कमांडर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया और उसके बाद शिविर में शामिल कैडेटों की प्रशिक्षण गतिविधियों और गणतंत्र दिवस शिविर-2026 की ग्रुप टीम की चयन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। ग्रुप कमांडर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कैडेटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की भी सराहना की। 24 पंजाब बटालियन के कैडेटों ने अमृतसर और तरनतारन जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल/रिहर्सल और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कैप्सूल में भाग लिया था। उन्होंने कैडेटों को भविष्य में भी बाहरी खतरों और प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित किसी भी आपात स्थिति में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस दौरान उन्होंने जीएनडीयू वेरका का दौरा किया और 24 पंजाब बटालियन एनसीसी, अमृतसर के वरिष्ठ गैर-कमीशन अधिकारी जतिन वर्मा को एनसीसी गतिविधियों में उनके सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023